वर्ष : 34 | अंक : 288 | मुंबई, गुरुवार, 25 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

एकनाथ शिंदे ने दी प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र में मुंबई बीएमसी चुनावों से पहले उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे के बीच चुनावी गठबंधन होने पर शिवसेना प्रमुख और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की प्रतिक्रिया सामने आई है। शिंदे ने दोनों भाईयों के साथ आने तुलना स्वार्थवादी गठबंधन से की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कोई भी किसी से गठबंधन कर सकता है लेकिन इनका गठबंधन स्वार्थ से भरा है। ये अपने मतलब के लिए साथ आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारा (शिवसेना) का महायुति गठबंधन विचार क गठबंधन है। यह विकास के लिए हैं।

शिवसेना यूबीटी-मनसे में गठबंधन

महा नगरपालिकाओं के नतीजे तय करेंगे एकजुटता का भविष्य

भाजपा फिलहाल चिंतित नहीं, लेकिन भविष्य पर रहेगी नजर

महाराष्ट्र में खोई राजनीतिक जमीन के लिए एक साथ आए ठाकरे बंधु

20 साल बाद ठाकरे ब्रदर्स का मनोमिलन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में बिखरते दल, घटती साख और अलग-थलग पड़ने के संकट से जूझ रहे ठाकरे बंधुओं ने आखिरकर साथ आने का फैसला किया है। दोनों के साथ आने से राज्य में राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि यह महा नगरपालिकाओं के चुनाव नतीजों से ही साफ हो पाएगा।

कांग्रेस के साथ न आने से एकजुटता कितनी प्रभावी होगी, इस पर भी सवाल है। दूसरी तरफ भाजपा फिलहाल इससे ज्यादा परेशान नहीं, लेकिन यह एकजुटता लंबी चली तो उसे भी अपनी रणनीति बदलनी पड़ सकती है। मुंबई समेत महाराष्ट्र की महा नगरपालिकाओं के चुनावों के लिए उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नव निर्माण सेना ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इस मौके पर दल ही साथ खड़े नहीं हुए बल्कि दोनों परिवार भी एक साथ आए। दोनों नेताओं की पत्नियां और बेटे का साथ होना घटती पारिवारिक दूरी और बाल ठाकरे की विरासत को बचाने की बड़ी कोशिश माना जा रहा है।

फडणवीस का तंज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस बुधवार को उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के दलों के बीच हुए गठबंधन को ज्यादा तवज्जो न देते हुए कहा कि इससे कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा और वे खुद का राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए साथ आए हैं। घोषणा होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, 'उनका ट्रैक रिकॉर्ड केवल भ्रष्टाचार और स्वार्थ का रहा है। उनका गठबंधन सिर्फ केवल अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए और इससे कोई महत्वपूर्ण राजनीतिक फर्क नहीं पड़ेगा। यदि कोई इसके विपरीत सोचता है, तो यह बचकानी सोच है। लोग इसके प्रभाव में नहीं आएंगे

> मैं सभी से अनुरोध और अपील करता हूं कि पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा दुष्प्रचार किया था। मैं मराठी लोगों से कहना चाहता हूं कि अब अगर आपसे चूक हुई तो सब खत्म हो जाएगा। अब अगर हम बंटे तो पूरी तरह मिट जाएंगे। इसलिए न टूटें, न बंटें। मराठी अस्मिता की विरासत को न छोड़ें।
>
> **- उद्धव ठाकरे,** यूबीटी प्रमुख

> मैने एक बार कहा था कि हमारी आपसी किसी भी विवाद या लड़ाई से महाराष्ट्र बड़ा है। आज की बैठक के बाद हम अन्य नगर निगमों के लिए भी घोषणा करेंगे। मुंबई का मेयर मराठी ही होगा और वह हमारे दल से होगा।
>
> **-राज ठाकरे,** मनसे प्रमुख

सीधे निर्वाचित अध्यक्षों को मिलेगा मतदान का अधिकार

- कानून में संशोधन की मंजूरी, अध्यादेश जारी करेगी सरकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने बुधवार को एक कानून में संशोधन की मंजूरी दी है, जिसके तहत नगर परिषदों और नगर पंचायतों के सीधे निर्वाचित अध्यक्ष अपने-अपने निकायों के सदस्य बन सकेंगे और उन्हें मतदान का अधिकार मिलेगा। सरकार इस संबंध में जल्द ही एक अध्यादेश जारी करेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत व औद्योगिक नगरी अधिनियम, 1965 में संशोधन कर सीधे निर्वाचित अध्यक्षों को उनके नगर निकायों में मतदाता के रूप में शामिल किया जाएगा। यदि मतदान के दौरान पक्ष-विपक्ष के वोट बराबर होंगे तो अध्यक्ष अपने मत का प्रयोग करेंगे।

निर्णय के पीछे का मकसद

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय सीधे निर्वाचित अध्यक्षों के जनादेश को मान्यता देने और स्थानीय प्रशासन में उनकी भूमिका मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया। बैठक में धाराशिव शहर में डेयरी विकास विभाग की एक एकड़ भूमि पर समाज सुधारक और कवि अन्नाभाऊ साठे की प्रतिमा स्थापित करने की मंजूरी भी दी गई।

'सरपंच संवाद' और जिला कर्मयोगी 2.0 कार्यक्रम

गांव, तालुका और जिले स्तर पर प्रशासनिक प्रभाव बढ़ाने के लिए 'सरपंच संवाद' और 'जिला कर्मयोगी 2.0' कार्यक्रम शुरू करने का भी निर्णय लिया। इन कार्यक्रमों के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर सेवा वितरण और प्रशासनिक दक्षता में सुधार किया जाएगा। स्थानीय समस्याओं का निदान, एमएसएमई और किसान-उत्पादक संगठनों को बेहतर समर्थन और जिला स्तर पर सरकार-से-व्यापार (G2B) सेवाओं में सुधार सुनिश्चित किया जाएगा। 'जिला कर्मयोगी 2.0' का मुख्य ध्यान जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों जैसे कृषि अधिकारी, इंजीनियर, ग्राम सेवक, स्वास्थ्य कर्मी और सिंचाई निरीक्षक को प्रशिक्षण देने पर रहेगा। महाराष्ट्र में लगभग 85,000 अधिकारियों और कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण के माध्यम से डेटा के बेहतर उपयोग, विभागों के बीच समन्वय और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ब्रीफ न्यूज़

प्रचार खत्म होते ही टीवी, अखबार और डिजिटल विज्ञापनों पर रोक

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर आधिकारिक प्रचार अवधि समाप्त होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और अन्य सभी माध्यमों में चुनावी विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने बताया कि 29 नगर निकायों के लिए मतदान 15 जनवरी, 2026 को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रचार 13 जनवरी को शाम 5:30 बजे समाप्त हो जाएगा और इसके बाद किसी भी प्रकार का चुनावी विज्ञापन प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जा सकेगा।

मंत्री नितेश राणे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

सिंधुदुर्ग। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित कुडाल जिला न्यायालय ने राज्य के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे को बड़ा झटका दिया है। न्यायालय ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह कार्रवाई लंबे समय से न्यायालय में पेश न होने और बार-बार गैरहाजिर रहने के चलते की गई है। मंत्री राणे के साथ न्यायालय ने भाजपा नेता प्रवीण दरेकर और प्रसाद लाड के खिलाफ भी गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला 26 जून 2021 का है, जब सिंधुदुर्ग जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान कुडाल पुलिस स्टेशन में नितेश राणे और 42 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

अहम दस्तावेजों पर तेजवानी के कार्यालय सहायक ने किए थे हस्ताक्षर

पुणे। पुणे में तीन सौ करोड़ रुपये के भूमि सौदा घोटाले में 'पावर ऑफ अटॉर्नी' धारक शीतल तेजवानी के कार्यालय सहायक ने मामले से जुड़े अहम दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। अभियोजन पक्ष ने पुणे की एक कोर्ट में यह जानकारी दी। कोर्ट ने तेजवानी की पुलिस हिरासत 27 दिसंबर तक बढ़ा दी। कोर्ट को बताया कि अभी तक की जांच में पता चला है कि तेजवानी के साथ काम करने वाले कार्यालय सहायक ने अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी के साझेदार के तौर पर हलफनामे और अधिकार पत्र जैसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे।

वायु प्रदूषण पर बीएमसी को 'हाई' फटकार

- 125 से अधिक बड़े निर्माण प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देने पर उठाया सवाल
- यदि हालात नहीं सुधरे, तो नए कंस्ट्रक्शन की अनुमति पर रोक लगा दी जाएगी: बॉम्बे हाई कोर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे पर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को शहर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर आंखें मूंदने और समस्या को कम करने के लिए कुछ भी नहीं करने के लिए फटकार लगाई। चीफ जस्टिस श्री चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड की बेंच ने सवाल किया कि मुंबई जैसे सीमित भौगोलिक क्षेत्र वाले शहर में बीएमसी ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 125 से ज्यादा बड़े कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स को एक साथ मंजूरी कैसे दे दी।

रोकथाम ही एकमात्र समाधान

कोर्ट ने बीएमसी से आग्रह किया कि वह अपने सिस्टम को इस तरह मजबूत करे कि उठाए गए कदम 'रोकथाम वाले' (Preventive) हों, न कि 'उपचार वाले' (Curative)। बेंच ने कहा कि बीएमसी के पास व्यापक शक्तियां होने के बावजूद कोई ठोस 'कार्यान्वयन योजना' नहीं है और न्यूनतम जरूरतें भी पूरी नहीं की जा रही हैं। कामदार ने बेंच को बताया कि बुधवार को AQI 88 था जिसे संतोषजनक माना जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल स्थिति ज्यादा खराब थी।

कोर्ट ने दी चेतावनी

अदालत ने बीएमसी को चेतावनी दी थी कि अगर शहर में वायु प्रदूषण की स्थिति बनी रहती है, तो वह कंस्ट्रक्शन के लिए और कोई परमिशन देने से रोकने के आदेश जारी करेगा। अदालत ने कहा 'इतने छोटे शहर (मुंबई) में 1000 करोड़ से अधिक की 125 परियोजनाएं कैसे स्वीकृत की जा सकती हैं? यह बहुत ज्यादा है। स्थिति आपके (बीएमसी) नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। अब आप चीजों को संभाल नहीं पा रहे हैं।'

सिस्टम की विफलता और चुनाव ड्यूटी का बहाना

सुनवाई के दौरान कोर्ट इस बात से नाराज दिखा कि बीएमसी के 91 विशेष दस्ते (Squads) निर्माण स्थलों का निरीक्षण नहीं कर रहे थे। बीएमसी के वकील ने दलील दी कि अधिकारी चुनाव ड्यूटी में व्यस्त हैं, जिसे कोर्ट ने सिरे से खारिज कर दिया। बेंच ने कहा कि चुनाव ड्यूटी कोई बहाना नहीं हो सकता और निकाय इसके लिए चुनाव आयोग से छूट मांग सकता था।

अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी

जब कोर्ट ने पूछा कि कॉर्पोरेशन अगले दो हफ्तो में क्या करने वाला है, तो कोर्ट में मौजूद BMC कमिश्नर भूषण गागरानी ने कहा कि स्क्वॉड हर दिन कम से कम दो कंस्ट्रक्शन साइट्स का इंस्पेक्शन करेंगे और जरूरी कार्रवाई करेंगे। इस पर अदालत ने सुझाव दिया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण दस्तों को बटन कैमरे और जीपीएस डिवाइस दिए जाने चाहिए। बतादें कि कोर्ट शहर में बिगड़ती हवा की गुणवत्ता को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इस मामले की अगली सुनवाई अब 20 जनवरी को होगी।

अनिल अंबानी को राहत

- अनिल अंबानी के खिलाफ तीन बैंकों की कार्रवाई पर बॉम्बे हाईकोर्ट की रोक

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस को राहत दी है। अदालत ने इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा उनके खातों को धोखाधड़ी घोषित करने की कार्रवाइयों पर रोक लगाई। जस्टिस मिलिंद जाधव ने कहा कि बैंकों ने आरबीआई के 2024 के मास्टर निर्देशों का पालन नहीं किया और उनकी कार्रवाई में देरी हुई है। कोर्ट ने कहा कि धोखाधड़ी घोषित करने के परिणाम गंभीर होते हैं—व्यक्ति ब्लैकलिस्ट हो जाता है, कर्ज नहीं ले पाता और प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति होती है।

फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट पर सवाल

हाईकोर्ट ने ऑडिट रिपोर्ट की वैधता पर आपत्ति जताई। रिपोर्ट (अक्टूबर 2020) पर किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट के हस्ताक्षर नहीं थे, जबकि आरबीआई नियमों के अनुसार यह जरूरी है। इसके अलावा, ऑडिट करने वाली संस्था बीडीओ एलएलपी पहले भी इन बैंकों के लिए काम कर चुकी थी, जिससे हितों का टकराव और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। अदालत ने कहा कि बैंकों ने 2013-2017 के लेनदेन के लिए 2019 में ऑडिट शुरू किया, जो उनके लिए "गहरी नींद से जागने" जैसा था।

आखिरकार अरावली पर जागी सरकार

गुजरात से दिल्ली तक अरावली क्षेत्र में खनन के लिए नए पट्टे पर पूर्ण प्रतिबंध

- राज्यों को नए दिशा-निर्देश जारी

एजेंसी | नई दिल्ली

पर्यावरण से जुड़े ज्वलंत मुद्दे पर केंद्र सरकार ने राज्यों को नए सिरे से निर्देश दिए हैं। इनमें कहा गया है कि अरावली क्षेत्र में खनन के नए पट्टे देने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। यानी दिल्ली से गुजरात तक फैली संपूर्ण अरावली रेंज में अब खनन के लिए नए पट्टे की मंजूरी देने पर पूरी तरह से रोक रहेगी। बीते नवंबर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पर्यावरण मंत्रालय ने इस संबंध में राज्यों को पहले भी आगाह किया था।

ICFRE क्या करेगा?

ICFRE से कहा गया है कि पूरे अरावली क्षेत्र में ऐसे अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान की जाए, जहां पर खनन पर रोक लगनी चाहिए। यह उन क्षेत्रों के अतिरिक्त रहे, जहां पर केंद्र ने पहले से खनन पर प्रतिबंध लगा रखा है। ICFRE से एक समग्र और विज्ञान आधारित प्रबंधन योजना बनाने को कहा गया है। इस योजना को फिर सार्वजनिक किया जाएगा ताकि सभी साझेदारों से इस पर सलाह-मशविरा किया जा सके। इसके पर्यावरण आकलन और पारिस्थितिक क्षमता को भी देखा जाएगा ताकि संवेदनशील क्षेत्रों की संरक्षण के लिहाज से पहचान की जा सके।

21 दिसंबर के परामर्श में क्या कहा गया था?

21 दिसंबर के परामर्श में कहा गया था कि MPSM यानी सतत खनन प्रबंधन योजना को अंतिम रूप दिए जाने तक माइनिंग के लिए कोई नई लीज नहीं दी जानी चाहिए। यह परामर्श सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जारी हुआ था। आदेश में कहा गया था कि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद यानी ICFRE जब तक प्रबंधन योजना नहीं बना लेती, तब तक खनन के लिए नई लीज नहीं दी जा सकती। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के नए निर्देशों में कहा गया है कि नए खनन के लिए मंजूरी देने पर रोक संपूर्ण अरावली क्षेत्र पर लागू रहेगी।

उपलब्धि

'बाहुबली' ने अमेरिकी उपग्रह अंतरिक्ष में पहुंचाया

भारत ने अंतरिक्ष में लहराया तिरंगा, ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 मिशन लॉन्च

श्रीहरिकोटा। इसरो ने क्रिसमस से एक दिन पहले बुधवार को एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उसके 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम3-एम6 ने 6,100 किलोग्राम वजनी अमेरिकी संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया। यह भारत की धरती से अब तक लॉन्च किया गया सबसे भारी उपग्रह है। रॉकेट ने सुबह 8:55 बजे दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरी। लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद उपग्रह रॉकेट से अलग हुआ और कक्षा में स्थापित हो गया। इसके साथ ही मिशन नियंत्रण कक्ष में उत्साह का माहौल बन गया। इसरो के अनुसार, उपग्रह को 520 किलोमीटर की निर्धारित कक्षा के बजाय 518.5 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित किया गया। इसरो ने इस सटीकता को 'टेक्स्टबुक लॉन्च' बताया। टेक्स्टबुक लॉन्च का अर्थ है कि प्रक्षेपण पूरी तरह योजना के अनुसार, बिना किसी तकनीकी चूक के, तय समय और सटीकता से सफलतापूर्वक पूरा हुआ। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए वाणिज्यिक समझौते के तहत पूरा किया गया। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड इसरो की वाणिज्यिक इकाई है।

गगनयान मिशन को लेकर भरोसा बढ़ा

इसरो चीफ इसरो प्रमुख वी नारायणन ने कहा, एलवीएम-3 एम6 रॉकेट से उपग्रह के सफल प्रक्षेपण ने भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान को लेकर भरोसा और मजबूत किया है। एलवीएम-3 वही रॉकेट है, जिसे गगनयान मिशन के लिए तय किया गया है। अब तक इसके लगातार नौ सफल प्रक्षेपण हो चुके हैं, जिससे गगनयान कार्यक्रम के लिए जरूरी विश्वसनीयता साबित होती है। अब तक की सबसे बेहतर सटीकता नारायणन ने कहा, ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को तय कक्षा में बेहद सटीकता से स्थापित किया गया है। यह अब तक भारतीय प्रक्षेपण यानों द्वारा हासिल की गई सबसे बेहतर सटीकता है। रॉकेट की विश्वसनीयता शत-प्रतिशत रही।

उपग्रह लॉन्च करने वाला भरोसेमंद देश बना भारत

मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, यह मिशन भारत से अब तक के सबसे भारी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने की बड़ी उपलब्धि है। इस सफलता से यह साबित हुआ है कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपग्रह लॉन्च करने वाले बड़े और भरोसेमंद देशों में शामिल हो गया है तथा विदेशी कंपनियां भी भारत पर ज्यादा भरोसा कर रही हैं। गगनयान जैसे भविष्य के अभियानों की नींव भी सुदृढ़ हुई है।

अवैध रूप से भारत में रह रहे दो बांग्लादेशी दोषी

कोर्ट ने जल्द निर्वासित कराने का दिया आदेश

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई की एक अदालत ने बिना वैध पासपोर्ट और दस्तावेजों के भारत में रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को दोषी ठहराया है। हालांकि फर्जी पहचान पत्र बनाने के आरोप को अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत ने दोनों को 11 महीने की सजा सुनाई और जेल में काटे गए समय को सजा में समायोजित करते हुए उन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट करने के निर्देश भी दिए। बता दें कि यह फैसला 11 दिसंबर को बेलापुर की अतिरिक्त सत्र अदालत के जज सीवी मराठे ने सुनाया। इस आदेश की प्रति मंगलवार को सामने आई। सरकारी वकील संध्या म्हात्रे ने अदालत को बताया कि हैदर अली अशरफ अली और फातिमा गोफर शेख को इस साल जनवरी में नवी मुंबई के कोप्रिगांव, सेक्टर 26 से गिरफ्तार किया गया था। दोनों के पास भारत में रहने के लिए कोई वैध पासपोर्ट या कानूनी अनुमति नहीं थी। जांच के दौरान हैदर अली पर फर्जी आधार कार्ड दिखाने का भी आरोप लगाया गया था, लेकिन अदालत ने इस आरोप को साबित नहीं माना।

आरोपियों को क्या मिलेगी सजा और आगे की कार्रवाई

गौरतलब है कि अदालत ने दोनों को 11 महीने की जेल और 500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। चूंकि दोनों 14 जनवरी 2025 से जेल में थे और लगभग पूरी सजा काट चुके हैं, इसलिए उन्हें जेल में बिताए समय का लाभ (सेट ऑफ) दे दिया गया। इसके साथ ही अदालत ने नवी मुंबई पुलिस आयुक्त को आदेश दिया कि दोनों को बांग्लादेश दूतावास के जरिए उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाए।

किस कानून का उल्लंघन हुआ?

मामले में फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि दोनों ने पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम, 1950 के नियम 5 का उल्लंघन किया है, क्योंकि वे बिना सही दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। जहां सरकारी पक्ष ने कहा कि अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक देश की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं, वहीं बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी गरीब और अशिक्षित हैं और वे केवल रोजी-रोटी के लिए भारत आए थे, उनका कोई गलत इरादा नहीं था। ऐसे में अदालत ने भी माना कि यह साबित नहीं हुआ है कि आरोपी किसी असामाजिक गतिविधि में शामिल थे। उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

एपीएमसी के पूर्व उपाध्यक्ष पर 57 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने नवी मुंबई कृषि उत्पन्न बाजार समिति (APMC) के पूर्व उपाध्यक्ष धनंजय वडकर (58) के खिलाफ 57.14 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह मामला पायधुनी पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है। शिकायतकर्ता राजेंद्र पिसाट के अनुसार, वडकर ने अपने राजनीतिक संपर्कों का हवाला देकर लैविश लग्ज़री एलएलपी को रियल एस्टेट निवेश के लिए प्रेरित किया। वर्ष 2021 में वडकर इस फर्म में पार्टनर बने थे और नवंबर 2021 में पार्टनरशिप एग्रीमेंट हुआ था।

स्टांप ड्यूटी चोरी और कानूनी पेंच

ईओडब्ल्यू का आरोप है कि वडकर ने पार्टनर होने की स्थिति का दुरुपयोग कर कंपनी फंड का गलत इस्तेमाल किया और मुनाफे में कंपनी को उसका हिस्सा नहीं दिया। बेची गई जमीन की कीमत 29 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि शेष जमीन की सरकारी वैल्यू 28.14 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा, जमीन की रजिस्ट्री कम मूल्य पर दिखाकर स्टांप ड्यूटी चोरी का भी आरोप है। मामले में आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। वडकर ने सेशंस कोर्ट में याचिका दायर की है, जिस पर 24 दिसंबर को सुनवाई होनी है।

जमीन सौदे में करोड़ों का खेल

शिकायत के मुताबिक, वडकर के कहने पर कंपनी ने पुणे में सस्ती जमीन दिलाने के नाम पर 433 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इसमें से 135 करोड़ रुपये लौटाए गए, जबकि शेष राशि से कथित तौर पर किसानों से विवादित और मुकदमेबाजी वाली जमीनें खरीदी गईं। करीब 16 एकड़ जमीन के सौदे में आरोप है कि जमीन की वास्तविक कीमत का केवल 10–20 प्रतिशत भुगतान किया गया। बाद में कुछ जमीन ऊंचे दामों पर बेची गई, जबकि बड़ी मात्रा में जमीन अब भी वडकर के कब्जे में होने का दावा किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

'जातिसूचक संवाद' मामले में 12 साल पुरानी एफआईआर रद्द

मुंबई/ठाणे। मुंबई हाईकोर्ट ने एक धारावाहिक में आपत्तिजनक संवाद के आरोप में मराठी टेलीविजन चैनल 'स्टार प्रवाह' के पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज 12 साल पुरानी एफआईआर रद्द कर दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि घटना में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। यह मामला धारावाहिक 'लक्ष्मी वर्सेस सरस्वती' की एक कड़ी से जुड़ा था, जिसमें अनुसूचित जाति समुदाय के लिए कथित रूप से अपमानजनक संवाद दिखाए जाने का आरोप लगाया गया था। मामले में वर्ष 2013 में ठाणे में राहुल गायकवाड़ की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी।

आचार संहिता दस्ते ने एक कार से किया 8.28 लाख रुपये नकद जब्त

भिवंडी। भिवंडी मनपा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू होते ही प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में आचार संहिता टीमों ने शहर की प्रमुख सड़कों पर निरीक्षण शुरू कर दिया है। मंगलवार (23) को नदी नाका पर तैनात टीम ने शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई की।शाम करीब 6:30 बजे अतिरिक्त आयुक्त व आचार संहिता दस्ते के प्रमुख विट्ठल डाके और सहायक प्रमुख समीर जावरे के मार्गदर्शन में मनपा कर्मचारी निखिल साल्वे, एजाज शेख और मनोज गुज्जा वाहन जांच कर रहे थे। इसी दौरान वाडा से भिवंडी की ओर आ रही कार (MH 48 DD 9324) को रोका गया, जिसमें 8 लाख 28 हजार 900 रुपये नकद पाए गए। कार चालक चेतन किशन मित्तल से नकदी के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद राशि को जब्त कर दो पंचों की उपस्थिति में पंचनामा किया गया। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मामला निजामपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

राष्ट्रीय मराठी संघ ने की निजामुद्दीन-पुणे एक्सप्रेस के समय सारिणी में बदलाव की मांग

मुंबई। राष्ट्रीय मराठी संघ ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से ट्रेन क्रमांक 12264 निजामुद्दीन-पुणे एक्सप्रेस के समय सारणी में बदलाव की मांग की है। वर्तमान में यह ट्रेन राष्ट्रीय राजधानी स्थित निजामुद्दीन स्टेशन से सुबह 6.15 बजे प्रस्थान करती है। राष्ट्रीय मराठी संघ के अध्यक्ष आनंद रेखी ने रेल मंत्री वैष्णव को एक पत्र लिख कर यह मांग की है। उन्होंने वैष्णव को लिखे पत्र में कहा कि यह ट्रेन निजामुद्दीन स्टेशन से चलकर पुणे स्टेशन पर रात्रि 2.30 बजे पहुंचती है। यह समय यात्रियों के लिए, विशेषकर महिला, वरिष्ठ नागरिक और अकेले यात्रा करने वालों के लिए असुविधाजनक एवं असुरक्षा की भावना उत्पन्न करने वाला है। पुणे जैसे शहर में पहुंचने पर स्थानीय परिवहन की सीमित उपलब्धता के कारण यात्रियों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रेखी ने रेल मंत्री से कहा कि यात्री हितों को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन के पूर्व निर्धारित समय सारणी में परिवर्तन करते हुए निजामुद्दीन से प्रस्थान का समय सुबह 10.55 बजे और पुणे स्टेशन पर आगमन का समय सुबह 6.45 बजे किया जाए । इस परिवर्तन से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी ।

कुत्ते ने काटा तो लगवाए सभी टीके, फिर भी हुई मौत

आवारा कुत्ते ने बच्ची के कंधे और गाल पर था काटा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। ठाणे में छह साल की बच्ची की आवारा कुत्ते के काटने के एक महीने से अधिक समय बाद मौत हो गई। नगर निगम के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। परिवार के सदस्यों ने कहा कि बच्ची का समय पर इलाज किया गया। इसमें रेबीज रोधी टीके भी शामिल थे। उसका जन्मदिन भी मनाया गया लेकिन फिर अचानक उसकी हालत बिगड़ने लगी। अधिकारी ने बताया कि निशा शिंदे 17 नवंबर को दिवा इलाके में अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी एक आवारा कुत्ते ने बच्ची के कंधे और गाल पर काट लिया। बच्ची को पहले स्थानीय डॉक्टर के पास ले जाया गया और फिर उसे कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) की ओर से संचालित शास्त्रीनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्ची की मां सुषमा शिंदे के अनुसार, इस मामले में निशा के लिए रेबीज रोधी मानक प्रक्रिया का पालन किया गया था।

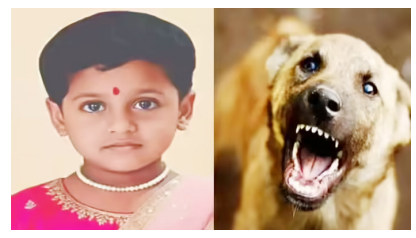

सभी अनिवार्य टीके समय पर दिए गए

उन्होंने कहा कि बच्ची को सभी अनिवार्य टीके समय पर दिए गए थे। निशा की मां ने बताया कि शुरुआती उपचार के बाद उसकी हालत पहले से बेहतर दिख रही थी और तीन दिसंबर को उसका जन्मदिन भी मनाया गया। लेकिन 16 दिसंबर को रेबीज रोधी टीके की अंतिम खुराक लेने के एक दिन बाद उसे तेज बुखार और सिरदर्द हुआ। उसके व्यवहार में अचानक बदलाव देखने को मिला। जैसे बिस्तर से सिर ठोकना और आसपास के लोगों को खुरचना।

बच्ची के इलाज में प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया

अगले दिन उसे फिर से केडीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए मुंबई के एक सरकारी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। केडीएमसी की चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दीपा शुक्ला ने कहा कि बच्ची के इलाज के दौरान निर्धारित चिकित्सीय प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया गया था।

टीएमसी चुनाव

2013 मतदान केंद्रों पर 12,650 अधिकारी-कर्मचारी तैनात

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम (टीएमसी) की 9 वार्ड कमेटियों के चुनाव के लिए व्यापक प्रशासनिक तैयारियां की गई हैं। इसके तहत 11 चुनाव निर्णय अधिकारी तथा सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी (स्तर 1, 2 और 3) की नियुक्ति की गई है। कुल 33 वार्डों में चुनाव प्रक्रिया संपन्न होगी।

तकनीकी और लॉजिस्टिक इंतज़ाम

टीएमसी चुनाव के लिए नगर निगम ने 120 वाहन उपलब्ध कराए हैं। साथ ही सीसीटीवी और वेबकास्टिंग, बिजली व्यवस्था, 7,500 बैलेट यूनिट और कंट्रोल यूनिट वाली ईवीएम, इंटरनेट व कंप्यूटर सिस्टम, चाय-खाने की व्यवस्था, मतदान जागरूकता प्रचार, बैलेट पेपर और स्टेशनरी प्रिंटिंग के लिए आवश्यक स्टाफ की व्यवस्था की गई है।

2013 पोलिंग स्टेशनों पर भारी तैनाती

ठाणे शहर में कुल 2013 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक पोलिंग स्टेशन पर एक पोलिंग स्टेशन अध्यक्ष, तीन पोलिंग अधिकारी और एक कांस्टेबल नियुक्त किया जाएगा। 20 प्रतिशत आरक्षण को ध्यान में रखते हुए कुल 12,650 अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती के आदेश जारी करने की प्रक्रिया चल रही है।

मॉडल पोलिंग स्टेशन और सुरक्षा व्यवस्था

हर वार्ड में एक-एक मॉडल पोलिंग स्टेशन सहित कुल 33 मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके अलावा हर वार्ड में पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित 'सखी पोलिंग स्टेशन' भी होंगे। दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर और रैंप की सुविधा रहेगी। सुरक्षा के लिहाज से हर ज़ोन में करीब 5,500 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे और संवेदनशील मतदान केंद्रों के आसपास कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

वन विंडो सिस्टम से मिलेगी सहूलियत

हर वार्ड कमेटी कार्यालय में 9 वन विंडो काउंटर और टीएमसी मुख्यालय के सिविक अमेनिटीज़ सेंटर में 1 काउंटर शुरू किया गया है। इसके जरिए उम्मीदवार और राजनीतिक दलों को मीटिंग, रैली, लाउडस्पीकर, बैनर, पार्टी कार्यालय, विभिन्न प्रमाणपत्र और मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के दौरान संबंधित विभागों से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट एक ही जगह पर मिल सकेगा।

राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बैठक

टीएमसी आयुक्त राव ने बताया कि 20 दिसंबर 2025 को नगर निगम भवन में राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सवालों और शंकाओं का समाधान किया गया।

चुनाव कर्मियों की ट्रेनिंग का शेड्यूल

पोलिंग स्टेशनों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की पहली ट्रेनिंग 27, 28 और 29 दिसंबर 2025 को राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घनेकर थिएटर में आयोजित की जाएगी। दूसरी चरण की ट्रेनिंग चुनाव निर्णय अधिकारियों के स्तर पर कराई जाएगी।

मंत्री नितेश राणे ने किया उत्तन का दौरा

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर चुनावों के मद्देनज़र राज्य के मत्स्य विभाग के मंत्री नितेश राणे ने 23 दिसंबर को भाईंदर (पश्चिम) के उत्तन क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय मछुआरों से संवाद कर उनकी समस्याएं और शिकायतें सुनीं तथा सभी मुद्दों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

एलईडी लाइट फिशिंग पर सख्त रुख

स्थानीय मछुआरों ने प्रतिबंधित एलईडी लाइट फिशिंग पर संबंधित विभाग की उदासीनता की शिकायत की। इस पर मंत्री राणे ने कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी कि यदि प्रतिबंधित एलईडी लाइट का उपयोग करते हुए कोई पकड़ा गया तो संबंधित बोट को भी जब्त किया जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आवास, मछली बाजार और जेटी का आश्वासन

मंत्री राणे ने आश्वस्त किया कि कोलीवाड़ा क्षेत्र में ग्रामीणों के घरों से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाएगा और मछुआरों को उनके हक का घर दिलाने के लिए सकारात्मक प्रयास जारी हैं। साथ ही उत्तन क्षेत्र में बेहतर सुविधाओं से युक्त मछली बाजार और एक आधुनिक जेटी के निर्माण की घोषणा भी की गई।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी

गौरतलब है कि एलईडी लाइट फिशिंग पर वर्ष 2017 में केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है, बावजूद इसके नियमों का उल्लंघन जारी है। इस कार्यक्रम में विधायक नरेंद्र मेहता, संबंधित विभाग के अधिकारी, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रणवीर वाजपेयी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मछुआरों की प्रमुख समस्याएं रखी गईं

आयोजित कार्यक्रम में मछुआरों ने अपने पुराने घरों के पुनर्निर्माण की मंजूरी, कोलीवाड़ा क्षेत्र की आवासीय समस्याएं और मछली पकड़ने में प्रतिबंधित एलईडी लाइट के उपयोग पर सख्त कार्रवाई की मांग को प्रमुखता से उठाया। मछुआरों ने बताया कि इन समस्याओं के कारण उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। अपने संबोधन में मंत्री नितेश राणे ने कहा कि राज्य में देवा भाऊ की सरकार मछुआरों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मछुआरों को किसानों के समान दर्जा दिया गया है और मत्स्य उद्योग को कृषि का दर्जा देकर कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

कपड़ा फैक्ट्री में लगी आग एक दमकलकर्मी घायल

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी स्थित खोनी गांव में बुधवार तड़के एक कपड़ा फैक्टरी में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सुबह करीब 5.45 बजे आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस को अलर्ट किया गया। सूचना मिलते ही भिवंडी फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। फैक्टरी में रखे कपड़े और अन्य ज्वलनशील सामग्री के कारण आग तेजी से फैल गई थी, जिससे दमकलकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

आग बुझाने के दौरान फटा सिलेंडर

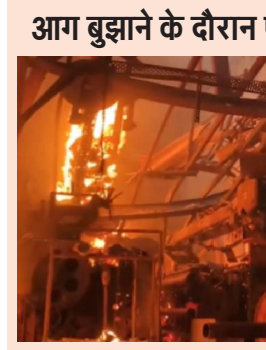

आग बुझाने के दौरान फैक्टरी में मौजूद एक गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया, जिसमें एक दमकलकर्मी घायल हो गया। घायल जवान को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

आग के कारणों की जांच जारी

भिवंडी फायर ब्रिगेड के अधिकारी महेश पाटिल ने बताया कि फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। भिवंडी पुलिस मामले की जांच कर रही है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

तीन घंटे में पाया गया आग पर काबू

लगभग तीन घंटे की लगातार कोशिशों के बाद सुबह करीब 8.30 बजे आग पर काबू पा लिया गया। आग बुझाने के दौरान आसपास के इलाके को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त एहतियाती कदम भी उठाए गए।

पावरलूम फैक्ट्री में लगी भीषण आग

तीन कारखाना जलकर हुए खाक

एक दमकलकर्मी मामूली घायल, कोई जन हानि नहीं

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर के पास तालुका के खोनी गांव स्थित सिद्धार्थ नगर इलाके में ज्योति टेक्सटाइल्स में तड़के करीब 5 बजे भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि कारखाने में सिलेंडर विस्फोट के चलते आग भड़की, जिसने देखते ही देखते पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयानक थी कि पास स्थित तीन अन्य कारखाने भी इसकी चपेट में आकर जलकर खाक हो गए।

दमकल की त्वरित कार्रवाई, दो घंटे में काबू

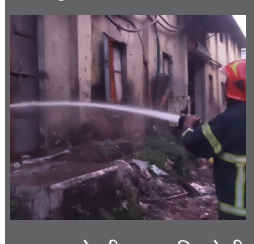

आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मी कांतिलाल गुर्जर विस्फोट की चपेट में आकर मामूली रूप से घायल हो गए।

कोई जनहानि नहीं, भारी नुकसान

इस भीषण हादसे में किसी की जान नहीं गई, जो राहत की बात है। लेकिन आग में पावरलूम मशीनें और कपड़े का भारी भंडार जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया, जिससे बड़े आर्थिक नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित विभाग द्वारा जांच की जा रही है।

उल्हासनगर मनपा चुनाव से पहले उबाठा गट को जोर का झटका

जिला प्रमुख धनंजय बोडारे भाजपा में शामिल

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा आम चुनावों से पहले ठाकरे समूह (उबाथा) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। उबाथा समूह के जिला प्रमुख और वरिष्ठ नेता धनंजय बोडरे ने भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश कर लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में हुए इस दलबदल ने स्थानीय राजनीति में हलचल मचा दी है और इसे चुनाव से पहले एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है।

भाजपा को मिलेगी संगठनात्मक मजबूती

उल्हासनगर और कल्याण क्षेत्र में मजबूत जनाधार रखने वाले धनंजय बोडरे को जमीनी स्तर का प्रभावशाली नेता माना जाता है। भाजपा में शामिल होते हुए उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के नेतृत्व व विकासोन्मुखी नीतियों से प्रेरित हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगामी मनपा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए वे पूरी ताकत से काम करेंगे। बुधवार को मुंबई स्थित भाजपा के राज्य कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में धनंजय बोडरे ने अपनी पत्नी वसुंधरा बोडरे और नाना बिराडे के साथ भाजपा की आधिकारिक सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, उल्हासनगर विधायक कुमार ऐलानी, जिला अध्यक्ष राजेश वर्धारिया और पूर्व अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी भी मौजूद रहे।

टीएमसी चुनाव के लिए 1001 नामांकन पत्र बांटे, 1 प्रत्याशी का पर्चा दाखिल

ठाणे। ठाणे महानगर पालिका आम चुनाव के तहत आज ठाणे शहर के 9 वार्ड समितियों में कुल 1001 नामांकन पत्र वितरित किए गए। इससे पहले, चुनाव प्रक्रिया के पहले दिन यानी 23 दिसंबर 2025 को 1069 नामांकन पत्र बांटे गए थे। इस तरह दो दिनों में कुल 2070 नामांकन पत्रों का वितरण किया जा चुका है। वहीं आज चुनाव प्रक्रिया के दौरान वागले वार्ड समिति से निर्दलीय उम्मीदवार संजय रजनीकांत पांड्या ने चुनाव निर्णय अधिकारी वृषाली पाटिल के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

वार्ड समिति अनुसार नामांकन पत्रों का वितरण

आज वितरित नामांकन पत्रों में माझीवाड़ा-मानपाड़ा वार्ड समिति (वार्ड 1,2,3,8) में सर्वाधिक 190, लोकमान्य सावरकर वार्ड समिति (वार्ड 6,13,14,15) में 141, मुंब्रा वार्ड समिति (वार्ड 26,30,31,32) में 132, नौपाड़ा-कोपरी (वार्ड 19,20,21,22) में 102 तथा वर्तकनगर (वार्ड 4,5,7) में 104 नामांकन पत्र बांटे गए। इसके अलावा उथलसर (91), दिवा (93), वागले (81) और कलवा (67) वार्ड समितियों में भी नामांकन पत्रों का वितरण किया गया।

कुपोषण से मौतों पर हाई कोर्ट सख्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र में ढाई साल के भीतर कुपोषण से पांच साल से कम उम्र के 32,226 बच्चों और 2,861 माताओं की मौत को लेकर आई एक रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है। इस मामले ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग ने अदालत में हलफनामा दाखिल कर दावा किया कि मध्य तीव्र कुपोषण (एमएएम) की दर 2023-24 में 4.21 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 3.43 प्रतिशत हो गई है। वहीं गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) इसी अवधि में 1.44 प्रतिशत से घटकर 0.7 प्रतिशत तक आ गया है।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि कुपोषण और माताओं में संक्रमण नवजात शिशुओं की मौत के प्रमुख कारण हैं। पीठ ने पाया कि मौजूदा हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर और जमीनी जरूरतों के बीच बड़ा अंतर है, खासकर बच्चों में कुपोषण से निपटने के लिए बनाए गए सिस्टम में।

हेल्थ बजट और मेडिकल कॉलेजों की योजना

वित्त विभाग ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 9 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की मंजूरी दी है, ताकि प्रशिक्षित हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य खर्च 2021-22 में 1,875 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 2,659 रुपये हो गया है। एमिकस क्यूरी अखिलेश दुबे ने कुपोषण से हुई मौतों का ऑडिट पेश करने का निर्देश देने की मांग की। अदालत ने टिप्पणी की कि ऐसी जानकारियां अक्सर दबा दी जाती हैं। अतिरिक्त सरकारी वकील ओमकार चंदुरकर ने आश्वासन दिया कि कोई डेटा नहीं छिपाया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को विस्तृत जवाब दाखिल करने के निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 6 जनवरी तय की गई है।

एमिकस क्यूरी की नियुक्ति

हाई कोर्ट ने इस संवेदनशील मामले में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अखिलेश दुबे को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया है। वे अदालत की मदद करते हुए कुपोषण से जुड़ी नीतियों, आंकड़ों और जमीनी हकीकत की समीक्षा करेंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, पोषण ट्रैकर डेटा में सुधार दिख रहा है। मार्च 2023 में एसएएम बच्चों की संख्या 80,248 थी, जो नवंबर 2025 में घटकर 18,390 रह गई। वहीं एमएएम बच्चों की संख्या 2,12,203 से घटकर 1,19,017 हो गई है। इसके बावजूद राज्य में अब भी 1,37,407 बच्चे कुपोषण से पीड़ित बताए गए हैं।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय समाज पक्ष के साथ किया गठबंधन

रासपा अध्यक्ष महादेव जानकर और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की घोषणा

मुंबई। राज्य में नगरपालिका चुनावों के बाद होने वाले महानगरपालिका और जिला परिषद चुनावों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। पार्टी समान विचारधारा वाले दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ने की नीति पर कायम है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने घोषणा की कि आगामी महानगरपालिका और जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस और राष्ट्रीय समाज पार्टी (रासपा) गठबंधन के तहत मैदान में उतरेंगी।

कांग्रेस–रासपा गठबंधन की औपचारिक घोषणा

तिलक भवन में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और रासपा अध्यक्ष व पूर्व मंत्री महादेव जानकर के बीच गठबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई, जिसके बाद संयुक्त पत्रकार परिषद में इसकी औपचारिक घोषणा की गई। सपकाल ने कहा कि महादेव जानकर बहुजन समाज की सशक्त आवाज हैं। वर्तमान समय में जब भाजपा लोकतंत्र और संविधान पर प्रहार कर रही है, तब समान विचारधारा वाले दलों का एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि नगरपालिका और नगरपंचायत चुनावों में औपचारिक गठबंधन नहीं था, लेकिन कई क्षेत्रों में दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़े थे, उसी सहयोग को आगे बढ़ाया जा रहा है।

संविधान और लोकतंत्र की रक्षा पर जोर

रासपा अध्यक्ष महादेव जानकर ने कहा कि शिव, शाहू, फुले और आंबेडकर के विचारों के आधार पर समान विचारधारा वाले दलों को साथ आना चाहिए। इसी भावना से उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात की थी। जानकर ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस–रासपा गठबंधन 31 मई को ही तय हो चुका है। उन्होंने कहा कि आज सीटों की संख्या से अधिक जरूरी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा है, साथ ही युवाओं, महिलाओं, आदिवासियों, गरीबों और पिछड़े वर्गों को सम्मान और गरिमा मिलनी चाहिए।

शिवसेना–मनसे गठबंधन पर कांग्रेस का रुख

शिवसेना–मनसे गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस की ओर से उन्हें शुभकामनाएं हैं। कांग्रेस जोड़ने की राजनीति करती है, तोड़ने की नहीं। उन्होंने बताया कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में महाविकास आघाड़ी साथ लड़ी थी, लेकिन मुंबई महानगरपालिका चुनाव कांग्रेस अपने दम पर लड़ने के पक्ष में है। नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस को मिली सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तमाम दबावों के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मजबूती से मुकाबला किया, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। इसी अवसर पर नगरपालिका–नगरपंचायत चुनावों में 41 नगराध्यक्ष चुने जाने पर कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष को '41' के आकार का पुष्पगुच्छ भेंट किया।

न्यूज ब्रीफ

भू-माफियाओं ने सार्वजनिक शौचालय को ध्वस्त किया

मुंबई। चेंबूर सिंधी कॉलोनी इलाके में एक सार्वजनिक शौचालय को पूरी तरह ध्वस्त किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि भू-माफिया ने शौचालय की जमीन पर कब्जा जमाने की नीयत से यह तोड़फोड़ की है। घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया है और नागरिकों ने नगरपालिका से दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। एम पश्चिम प्रभाग के अंतर्गत चिक्कुवाड़ी (बैरक संख्या 38) में स्थित यह शौचालय वर्षों से उपयोग में था। कुछ साल पहले जर्जर हालत में पहुंचने पर बीएमसी और एमएचएडीए के फंड से इसकी मरम्मत कराई गई थी। बाद में आसपास के घरों में निजी शौचालय बनने से इसका उपयोग कम हो गया और खराब हिस्सों को प्रतिबंधित कर दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी स्थिति का फायदा उठाकर करीब 15 दिन पहले शौचालय को पूरी तरह गिरा दिया गया। निवासियों का दावा है कि चेंबूर कॉलोनी में जमीन की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और 60 से 80 लाख रुपये तक के अवैध दो मंजिला मकान बनाए जा रहे हैं। आरोप है कि सार्वजनिक जमीन पर कब्जा कर मकान बनाकर उन्हें बेचा जा रहा है। एक सामाजिक संगठन ने इस संबंध में शिकायत भी दर्ज कराई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, एम पश्चिम विभाग के सहायक आयुक्त शंकर भोसले ने कहा कि मामले की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मंगाई जाएगी।

मुंबई-सोलापुर वंदे भारत बनी फेवरेट

मुंबई। मध्य रेलवे मार्ग पर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस मुंबई से सोलापुर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों की सबसे अधिक पसंदीदा ट्रेन बन गई है। अप्रैल से नवंबर तक बीते 8 महीनों में कुल 5 लाख 83 हजार यात्रियों ने सीएसएमटी-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा की है। इसके बाद मुंबई-शिर्डी वंदे भारत एक्सप्रेस दूसरे स्थान पर रही, जिसमें 4 लाख 5 हजार 484 यात्रियों ने सफर किया। भारतीय रेलवे ने तेज रफ्तार के साथ यात्रियों को आधुनिक और आरामदायक यात्रा का अनुभव देने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत वंदे भारत एक्सप्रेस का निर्माण किया है।

चुनाव को लेकर शिवसेना ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

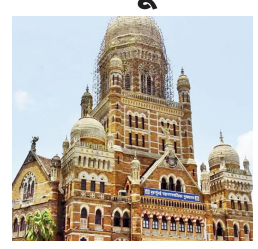

आगामी महानगरपालिका चुनाव को देखते हुए शिवसेना ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 40 नेताओं को शामिल किया गया है। स्टार प्रचारकों की इस सूची में सांसद, विधायक, प्रवक्ता के साथ-साथ पार्टी के कई वरिष्ठ और प्रमुख पदाधिकारी शामिल हैं। पार्टी नेतृत्व ने चुनाव प्रचार को प्रभावी और आक्रामक बनाने के उद्देश्य से अनुभवी और जनाधार वाले नेताओं को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

चुनावी प्रचार को धार देने की रणनीति

शिवसेना का मानना है कि स्टार प्रचारकों की यह टीम चुनावी मैदान में पार्टी की नीतियों, विकास कार्यों और संगठन की मजबूती को जनता तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी। आने वाले दिनों में ये सभी नेता विभिन्न महानगरपालिकाओं में व्यापक जनसंपर्क और प्रचार अभियान चलाएंगे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरूपसिंह नाइक का निधन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुरूपसिंह नाइक का बुधवार को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि कांग्रेस पार्टी ने की है और इसे पार्टी और राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उनके निधन से कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और नवापुर क्षेत्र में शोक की लहर है।

सुरूपसिंह नाइक ने नवापुर विधानसभा क्षेत्र का दशकों तक प्रतिनिधित्व किया और राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पार्टी नेताओं ने उन्हें एक सरल स्वभाव और जमीनी नेता बताया, जिन्होंने हमेशा जनता से सीधे जुड़े रहकर काम किया।

तीन दशक से अधिक का राजनीतिक सफर

नाइक 1972 से 1981 तक नंदुरबार लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे। 1981 में उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर राज्य की राजनीति में प्रवेश किया और जनजातीय विकास व सामाजिक कल्याण मंत्री बने। 1982 में नवापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद 1982 से 2009 तक लगातार महाराष्ट्र विधानसभा सदस्य रहे।

आदिवासी और किसान हितों के लिए समर्पित

सुरूपसिंह नाइक का जन्म नवापुर क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने आदिवासी समाज, शिक्षा और युवाओं के मुद्दों को प्राथमिकता दी और किसानों के हितों के लिए भी लगातार प्रयास किए। उनके प्रयासों से कृषि उपज बाजार समितियों और किसान संगठनों के माध्यम से किसानों को उचित बाजार उपलब्ध कराया गया।

महायुति और ठाकरे-मनसे गठबंधन का फॉर्मूला तय

मुंबई/नाशिक। महायुति में सीटों का गणित सीट बंटवारे को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मंत्री गिरीश महाजन और दादा भुसे के बीच अहम बैठक संपन्न हुई। बताया जा रहा है कि शिंदे गुट ने शुरुआत में 45 सीटों की मांग की थी, लेकिन भाजपा के 25-30 सीटों के प्रस्ताव पर अब सहमति बनती दिख रही है। दोनों दलों के नेताओं के बीच चर्चा सकारात्मक रही है और जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। नाशिक में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और मनसे के बीच गठबंधन तय हो चुका है, जिसमें ठाकरे सेना 'बड़े भाई' की भूमिका में होगी।

आमला–नागपुर खंड का महाप्रबंधक ने किया संरक्षा निरीक्षण

मुंबई। मध्य रेल के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने 24 दिसंबर 2025 को नागपुर मंडल के आमला–नागपुर खंड का विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेल परिचालन की दक्षता, सुरक्षा मानकों और विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। आमला स्टेशन पर उन्होंने यात्री सुविधाओं, बुकिंग कार्यालय, क्रू लॉबी, आरपीएफ पोस्ट, सीसीटीवी निगरानी, पैनल रूम, दुर्घटना राहत व्यवस्था, रेलवे कॉलोनी और अस्पताल का निरीक्षण किया तथा लोको पायलटों, ट्रेन मैनेजरों और टिकट जांच स्टाफ से संवाद कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

तकनीकी संरचना और अवसंरचना की समीक्षा

इसके बाद महाप्रबंधक ने जौलखेड़ा–मुलताई खंड में लिमिटेड हाइट सबवे, मुलताई स्टेशन पर सिग्नल व दूरसंचार व्यवस्थाओं, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, पावर रूम, ओएसओपी स्टॉल, गुड्स शेड और माल लोडिंग कार्यों का निरीक्षण किया। मुलताई–चिचोंड़ा खंड में वर्धा पुल की संरचनात्मक मजबूती की जांच की गई। पांढुर्णा में टीआरडी डिपो और ट्रैक्शन सब-स्टेशन में आधुनिक संरक्षा प्रणालियों, एआई आधारित ओएचई निगरानी प्रणाली और उच्च वोल्टेज डिटेक्टर का प्रदर्शन देखा गया। इस अवसर पर उन्होंने 2×25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया।

संवाद, समन्वय और यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण

नागपुर में मंडल अस्पताल के निरीक्षण के साथ श्री गुप्ता ने अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिक संघों, फ्रेट ग्राहकों और प्रेस से संवाद किया। उन्होंने संरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण पर विशेष जोर देते हुए समयबद्ध परिचालन और बेहतर यात्री सेवाओं के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आमला और पांढुर्णा में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई। महाप्रबंधक ने सभी विभागों को आपसी समन्वय और संरक्षा प्रोटोकॉल के कड़ाई से पालन का संदेश दिया।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य

मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ई निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** CTR(P)/ TSR(P)-47.0 Km by contractual PQRS machine and TBR-64.8 Km in KWV-Wadi section in Solapur division. **अनुमानित लागत रु.** 222306541.13/-, **बयाना रक्कम: रु.** 261500.00/-, **समापन की अवधी:** 12 (Twelve) months, **अनुरक्षण की अवधी:** NIL, **ई निविदा फार्म की किमत:** NIL, **वेबसाइट पर ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय:** 09/01/2025 15:00 hrs., **वेबसाइट पर ई निविदा खोलने की तारिख और समय:** 09/01/2025 after 15.30 hrs., **वेबसाइट विवरण www.ireps.gov.in. Note:** संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे इस निविदा वेबसाइट के लिए जारी किए गए किसी भी बदलाव/शुद्धिपत्र को नोट करने के लिए निविदा बंद होने की तारीख से पहले वेबसाइट पर बार-बार जाएं। **www.ireps.gov.in**
म.रे.प्र. (का), सोलापुर 73
अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
सिग्नलिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या:
सोला-एन-टी-2025-26-33 दि. 22.12.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी. आर. एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों। ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **कार्य का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन के मिराज-लातूर रोड खंड में आर.ओ.बी/आर.यू.बी/सबवे कार्यों के निष्पादन के संबंध में एस एंड टी केबल/गियरों की सुरक्षा/स्थानांतरण। **निविदा सं.:** सोला-एन-टी-2025-26-33 **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 52,07,842.43 **टेंडर फार्म की कीमत:** कुछ नहीं **जमा की जाने डाली धरोहर राशी:** रु. 1,04,200/- **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक www.ireps.gov.in** पर 16.01.2026 at 15.30 Hrs., विवरण ireps में बेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र / संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल /डाक/ ई-मेल, फैक्स, हस्तनिविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज़ में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।
DRM (S&T), Solapur 76
अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम रेलवे
निर्माण कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, मुंबई – 400 020 **ई-निविदा सूचना संख्या: Dy.CE(C) CCG/353 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** वसई रोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म रिटर्न ट्रेनों हेतु नए कोचिंग टर्मिनस के विकास के संबंध में आइलैंड प्लेटफॉर्म (कवर्ड शेड सहित), नए सर्विस भवन, सीसी एप्रन सहित ट्रैक कार्य, सामान्य विद्युत कार्य तथा अन्य विविध कार्यों का निर्माण। **निविदा का अनुमानित मूल्य (NIT Value):** 93,60,19,612.84 **ईएमडी (EMD):** 48,30,100/- **ई-बोली बंद होने की तिथि एवं समय:** 14.01.2026 को 15:00 बजे तक **ई-बोली खोलने की तिथि एवं समय:** 14.01.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु: कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0924
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजिनिअरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदायें आमंत्रित करते है। **निविदा क्र.:** 29-2025-SrDENS **कार्य का नाम:** Supplying and stacking on Railway ground 65mm machine crushed stone ballast as per latest specification of RDSO/LKO of Feb-2023 with latest amendments including royalty and fees etc and loading the same into Railway hoppers/wagons etc as directed by ADEN at site at DUD depot. (Total 50,000 m3) **अनुमानित लागत:** Rs. 5,27,29,500/- **बयाना रक्कम:** Rs. 4,13,700/- **समापन की अवधि:** 18 Months **अनुरक्षण की अवधी:** NA **निविदा क्र.:** 31-2025-SrDENS **कार्य का नाम:** Rebuilding of 11 Bridges (Slab: 06, RCC Pipe: 03, Arch Br.: 02) and Extension of 06 Bridges (Arches: 05, Box: 01) in Mohol-Wadi Section. **अनुमानित लागत:** Rs. 8,41,79,258.56 **बयाना रक्कम:** Rs. 5,70,900/- **समापन की अवधि:** 12 Months **अनुरक्षण की अवधी:** 24 Months **निविदा क्र.:** 32-2025-SrDENS **कार्य का नाम:** (A) Replacement of pipe line of Kunnor pump house 300mm dia of length 9000M at Wadi under ADEN/KLBG sub division. (B) [i] Replacement of pipe line Bablad pump house to KLBG filter plant 200mm dia of length 4500M ADEN/KLBG sub division. [ii] Replacement of pipe line from Shahabad pump house to Shahabad filter plant 200mm dia of length 3650M ADEN/KLBG sub division. **अनुमानित लागत:** Rs. 7,03,14,264.82 **बयाना रक्कम:** Rs. 5,01,600/- **समापन की अवधि:** 12 Months **अनुरक्षण की अवधी:** 24 Months. **www.ireps.gov.in** इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करने का अंतिम दिनांक और समय: **12/01/2026 को 15.00 बजे तक। www.ireps.gov.in** इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय: **12/01/2026 को 15.30 बजे.** निविदाकारों से निवेदन हैं की कोइ बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।
मं.रे.प्र.(कार्य), सोलपुर 74
अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

चुनाव से पहले टीआईएसएस रिपोर्ट पर सियासी बवाल

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव से पहले टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (TISS) की रिपोर्ट एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है। 2024 विधानसभा चुनावों के दौरान सामने आई यह रिपोर्ट अब नगर निगम चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर रही है, जिस पर खासकर बीजेपी ने चिंता जताई है।

TISS की रिपोर्ट 'Illegal Immigrants to Mumbai' में दावा किया गया है कि मुंबई में जनसंख्या संरचना में बड़ा बदलाव हो रहा है। आंकड़ों के अनुसार, 1961 में 88 प्रतिशत रही हिंदू आबादी 2011 में घटकर 66 प्रतिशत रह गई, जबकि 2051 तक इसके 54 प्रतिशत से भी नीचे जाने का अनुमान है। वहीं मुस्लिम आबादी 1961 के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 21 प्रतिशत हो गई और 2051 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है।

बीजेपी का हमला और सख्त बयान

बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि एक ओर बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुंबई में बांग्लादेशी घुसपैठ बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ से न केवल शहर के संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान भी खतरे में पड़ रही है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को कुछ राजनीतिक दल वोट-बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। फर्जी दस्तावेजों के जरिए इनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराए जा रहे हैं। साथ ही, स्लम इलाकों में बढ़ती भीड़ से बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सेवाओं पर भारी दबाव पड़ रहा है। TISS रिपोर्ट के मुताबिक, अवैध प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा हर महीने हजारों से लेकर लाख रुपये तक की रकम बांग्लादेश भेज रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो मुंबई का सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्वरूप आने वाले वर्षों में बड़े बदलाव से गुजर सकता है।

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/2025/५३६२० सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/टे.सी. ४/सन २०२५ दिनांक : २४/१२/२०२५

- : सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची नोटीस :-

जय हनुमान एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, न.भू.क्र. ३९६, ३९६/१ ते ६६, ३९७, ३९७/१ ते १३, मौजे मालाड (पूर्व), मुंबई- ४०० ०९७ या संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट- २ व पुरवणी परिशिष्ट- २ मध्ये पात्र झालेल्या झोपडीधारक सभासदांना कळविण्यांत येते की, मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पूर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई यांचेकडील दिनांक ०४.१२.२०२५ रोजीच्या पत्रान्वये प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६२ नुसार एकूण ६८ निवासी पात्र झोपडीधारकांना पुनर्वसन इमारती मध्ये निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वाटप करण्यासाठी मी निम्नस्वाक्षरीकार माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यांत आलेली आहे.

सदरहू संस्थेच्या पुनर्वसन इमारती मध्ये निवासी सदनिका वाटप सोडतीचा कार्यक्रम गुरुवार, दिनांक ०१/०१/२०२६ रोजी ठिक सकाळी ११:३० वाजता प्राधिकरणाच्या **कार्यालयात लॉटरी अलॉटमेंट पोर्टल सर्व्हर वर ऑनलाईन पध्दतीने झूम ॲप (Zoom App) वर आयोजित केलेला आहे.**

विषय : झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६२ नुसार ऑनलाईन झूम ॲप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पुनर्वसन इमारती मध्ये एकूण ६८ निवासी सदनिकांचे वाटप करणे.

Meeting ID: 852 0565 7502
Passcode: 123456
ठिकाण : बृहन्मुंबई
दिनांक : २४.१२.२०२५

सही/-
(अरुण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा सहकारी
अधिकारी श्रेणी- १, झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई.

टिप : १) सोडतीसाठी पात्र (पती/पत्नी) झोपडीधारकांनीच ऑनलाईन लॉटरीमध्ये विहीत वेळेत व तारखेस सहभागी व्हावे.
२) सोडतीच्या वेळी ज्या झोपडीधारकांचे नांव परिशिष्ट- २ मध्ये पात्र आहेत अशा व्यक्ती अंध, अपंग, विधवा महिला, कुटुंब प्रमुख यांनी पुनर्वसन इमारतीमधील खालच्या मजल्यावरील सदनिकांची प्राधिकरणाच्या sravcmumbai@gmail.com या ईमेल आयडीवर दिनांक २९.१२.२०२५ पर्यंत लेखी पत्राने मागणी केल्यास परिपत्रकातील तरतुदीनुसार सदनिका वाटप करण्यांत येईल. सदर गटातील व्यक्तींनी ईमेल आयडीवर शासनमान्य अंध, अपंग, विधवा याबाबतचा पुरावा दाखला सादर करावा. तसेच विधवा झोपडीधारकांनी पतीचा मृत्यु दाखला सदर अर्जासोबत सादर करणे आवश्यक आहे.

संपादकीय

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना टू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग-सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है। देश में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी बाध्य किया जाना चाहिए कि वे उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करके संदिग्ध फोन नंबरों के प्रति सचेत करें।

तकनीक और इनोवेशन के साथ बढ़ती जिम्मेदारियां

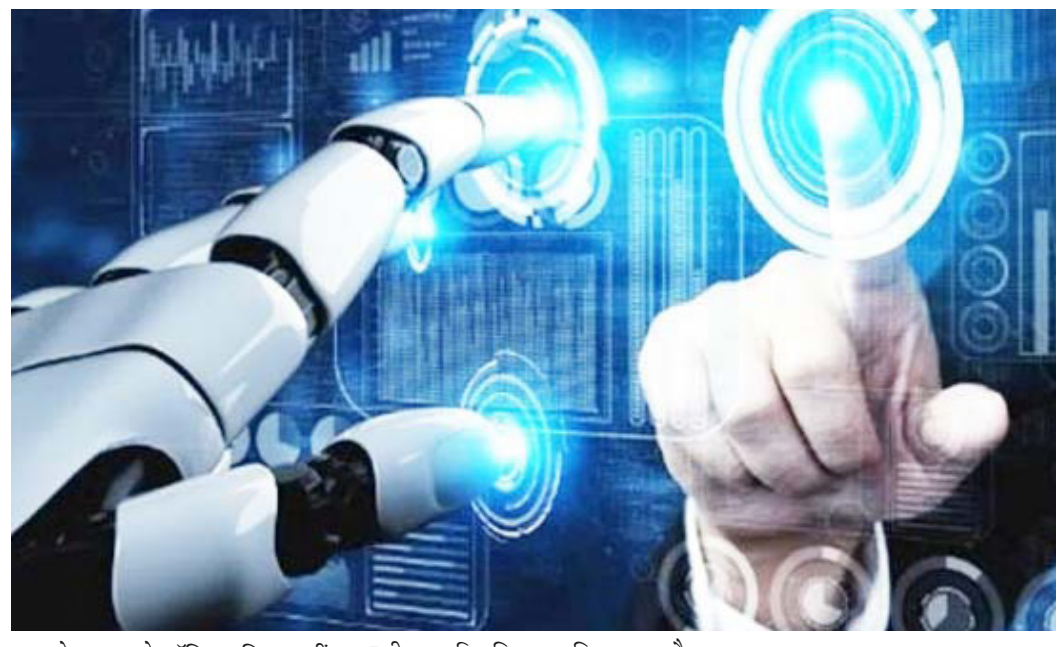

डॉ. शाशांक द्विवेदी

वर्ष 2025 तकनीक और इनोवेशन के इतिहास में निर्णायक पड़ाव के रूप में दर्ज हो रहा है। यह वर्ष तकनीक के आम जीवन, शासन, अर्थव्यवस्था और वैश्विक शक्ति-संतुलन पर गहरा प्रभाव डालने वाला रहा है। भारत से लेकर दुनिया तक, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, 5जी-6जी, ग्रीन टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर नीति और विकास का केंद्रबिंदु बन चुके हैं। वर्ष 2025 में एआई ने 'भविष्य की तकनीक' से निकलकर 'वर्तमान की वास्तविकता' का रूप ले लिया। जनरेटिव एआई अब कंटेंट लिखने या चैटबॉट तक सीमित नहीं रहा है। हेल्थकेयर में रोगों की प्रारंभिक पहचान, कृषि में फसल अनुमान, न्याय व्यवस्था में दस्तावेज़ विश्लेषण और उद्योगों में निर्णय-निर्माण तक एआई की पैठ गहरी हुई। भारत में एआई का उपयोग सरकारी योजनाओं की निगरानी, डिजिटल शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट में तेज़ी से बढ़ा। वहीं दुनिया के स्तर पर एआई रेगुलेशन एक बड़ा मुद्दा बना। यूरोपियन यूनियन ने एआई एक्ट के ज़रिये नियंत्रण की कोशिश की, जबकि अमेरिका और चीन एआई नेतृत्व की होड़ में और आक्रामक होते दिखे। वर्ष 2025 यह भी सिखा गया कि एआई जितना शक्तिशाली है, उतना ही जिम्मेदारी और नैतिकता की मांग भी करता है। यह वर्ष तकनीकी आत्मनिर्भरता को एक वैश्विक रणनीतिक विषय के रूप में उभारने वाला रहा है। सेमीकंडक्टर अब केवल इलेक्ट्रॉनिक चिप नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक शक्ति का प्रतीक बन गए। भारत ने सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में ठोस कदम उठाए।दुनिया में अमेरिका-चीन तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेज़ हुई। टेक सप्लाई चेन को 'फ्रेंड-शोरिंग' की दिशा में मोड़ा गया। आने वाले वर्षों में तकनीक केवल बाज़ार का नहीं, बल्कि भू-राजनीति का भी हथियार बनेगी। भारत सहित कई देशों में बड़े पैमाने पर 5जी आकार ले चुका है। लेकिन असली बदलाव इसके उपयोग में दिखा—स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थकेयर, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और स्मार्ट विलेज जैसी अवधारणाएं ज़मीन पर उतरती दिखीं। भारत में 5जी आधारित शिक्षा, कृषि सलाह और टेलीमेडिसिन ने डिजिटल डिवाइड को कम करने की नई उम्मीद जगाई है। इसी बीच दुनिया 6जी की तैयारी में जुट गई। 6जी रिसर्च, स्पीड और अल्ट्रा-लो लेटेंसी को लेकर प्रयोगों ने यह संकेत दे दिया कि आने वाला दशक 'हाइपर-कनेक्टेड' समाज का होगा।

वहीं, क्लाइमेट चेंज के बढ़ते खतरे ने ग्रीन टेक्नोलॉजी को नवाचार का केंद्र बना दिया। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी पर निवेश बढ़ा। भारत ने सोलर और ग्रीन हाइड्रोजन में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में कदम बढ़ाए। दुनिया ने यह भी महसूस किया कि एआई और डेटा सेंटर्स की बढ़ती ऊर्जा खपत एक नई चुनौती है।

तकनीक के मोर्चे पर 2025 में देश की सबसे बड़ी पहचान डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर रही। आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर और ओपन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने देश के भीतर और वैश्विक मंच पर भी भारत को एक मॉडल के रूप में स्थापित किया। यूपीआई का अंतरराष्ट्रीय विस्तार, डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वीकार्यता और सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण यह दिखाता है कि तकनीक कैसे लोकतांत्रिक विकास का औज़ार बन सकती है।

इस वर्ष अंतरिक्ष तकनीक केवल सरकारों तक सीमित नहीं रही। भारत में निजी स्पेस स्टार्टअप्स, सैटेलाइट, लॉन्च व्हीकल और स्पेस डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में आगे बढ़े। इसरो की उपलब्धियों के साथ-साथ निजी कंपनियों की भागीदारी ने स्पेस इकोनॉमी को नई गति दी। दुनिया में भी स्पेस टेक, क्वांटम कंप्यूटिंग और बायोटेक जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स ने यह दिखाया कि नवाचार अब केवल सिलिकॉन वैली तक ही सीमित नहीं है। हालांकि, वर्ष 2025 तकनीकी उपलब्धियों का साल रहा, लेकिन कई सवाल भी छोड़ गया। डेटा प्राइवेसी, साइबर सुरक्षा, रोजगार पर ऑटोमेशन का प्रभाव और डिजिटल असमानता जैसे मुद्दे और गहरे हुए। तकनीक ने अवसर बढ़ाए, लेकिन साथ ही सामाजिक-नैतिक ज़िम्मेदारियां भी बढ़ीं। सरकारी योजनाओं की मॉनिटरिंग, कृषि सलाह, भाषा अनुवाद और डिजिटल शिक्षा में एआई का उपयोग बढ़ा। वहीं दुनिया भर में एआई को लेकर यह बहस तेज़ हुई कि क्या मशीनें इंसानी नौकरियों को निगल जाएंगी। वर्ष 2025 ने साफ़ किया कि एआई रोजगार छीनने के साथ-साथ नए कौशल और नए अवसर भी पैदा कर रही है। तकनीक के लिहाज़ से 2025 को 'संक्रमण का वर्ष' कहा जा सकता है—जहां दुनिया ने तय किया कि तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाली शक्ति है। आने वाले वर्षों में यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम तकनीक को केवल तेज़ी से अपनाते हैं या उसे समझदारी, समावेशन और सतत विकास के साथ आगे बढ़ाते हैं।

जीवन मंत्र

अनवरत काम करते रहें, सफलता अवश्य मिलेगी

एक बार शहर से कुछ लड़के गांव में घूमने आए। जब उन्होंने बारिश वाले बाबा के बारे में सुना, तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। उन्होंने गांव वालों से कहा कि अगर साधु बाबा के नाचने से बारिश हो सकती है, तो हमारे नाचने से भी हो सकती है।

एक गांव में सूखा पड़ा था। बारिश न होने के कारण फसलें सूखने लगीं थीं। गांव वाले परेशान हो गए। उन्हें लगने लगा कि इस साल पूरी फसल बर्बाद हो जायेगी। एक दिन गांव में एक साधु आया और मस्त होकर नाचने लगा। गांव में जो भी उसे देखता, पागल समझता। धीरे धीरे पूरे गांव में उस पागल साधु की खबर फैल गई।

लोग उसके आसपास इक_ा हो गए और उसका मज़ाक भी उड़ाने लगे। तभी अचानक बादल घुमड़ने लगे और जोरों की बारिश शुरू हो गई। साधु ने नाचना बंद कर दिया। गांव वालों के आश्चर्य की कोई सीमा नहीं रही। वे हाथ जोड़कर साधु से क्षमा मांगने लगे। उस दिन के बाद से साधु गांव में ही एक कुटिया बनाकर रहने लगा। जब भी सूखा पड़ता, वह नाचने लगता और बारिश हो जाती।

वह बारिश वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध हो गया। एक बार शहर से कुछ लड़के गांव में घूमने आए। जब उन्होंने बारिश वाले बाबा के बारे में सुना, तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। उन्होंने गांव वालों से कहा कि अगर साधु बाबा के नाचने से बारिश हो सकती है, तो हमारे नाचने से भी हो सकती है। उन्होंने नाचकर बारिश

करवाने की चुनौती ले ली। अगले दिन एक मैदान में सारे गांव वाले इक_ा हो गए। साधु भी वहां था और चारों लड़के भी। चारों लड़कों ने नाचना शुरू किया। एक घंटा बीत गया, पर बारिश नहीं हुई। एक लड़का नाचते-नाचते थक गया और बैठ गया। एक घंटा और बीता, पर बारिश नहीं हुई। दूसरा लड़का भी थक कर बैठ गया। दो लड़के नाचते रहे, लेकिन बारिश न होते देख वे भी कुछ देर बाद थक कर बैठ गए। उसके बाद साधु ने नाचना शुरू किया।

एक घंटा बीत गया, बारिश नहीं हुई, पर साधु नाचता रहा। दो घंटे बीत गए, बारिश नहीं हुई, पर साधु नाचता रहा। साधु को नाचते-नाचते शाम हो गई। चारों लड़के सोचने लगे कि ये साधु तो व्यर्थ ही नाच रहा है। तभी अचानक बारिश शुरू हो गई। साधु ने नाचना बंद किया, पर गांव वाले झूम उठे।

शख्सियत | आइज़ैक न्यूटन

विज्ञान का अनन्य साधक

आइज़ैक न्यूटन, जिन्हें आधुनिक विज्ञान का जनक कहा जाता है, एक ऐसे वैज्ञानिक थे जिन्होंने विज्ञान और गणित के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। उनका जीवन और कार्य ज्ञान, परिश्रम, और जिज्ञासा का प्रतीक है। न्यूटन के द्वारा प्रतिपादित गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत और गति के नियम आज भी विज्ञान की आधारशिला बने हुए हैं। उनकी उपलब्धियों ने न केवल उनके समय में बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी विज्ञान को एक नई दिशा दी।

न्यूटन का जन्म 25 दिसंबर 1642 को इंग्लैंड के वूल्सथॉर्प में हुआ। उनका बचपन कठिनाइयों से भरा था। उनके पिता का निधन उनके जन्म से पहले हो गया था, और उनकी मां ने उन्हें नाना-नानी के पास छोड़कर दूसरा विवाह कर लिया। बचपन में वे औसत छात्र थे, लेकिन अपनी असाधारण जिज्ञासा और समझने की क्षमता के कारण उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयां प्राप्त कीं। 1661 में, उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। 1665 में, ग्रेट प्लेग महामारी के कारण वे अपने घर लौटे। इस दौरान उन्होंने अपने सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर काम किया। न्यूटन के योगदान व्यापक और बहुआयामी हैं। उनके द्वारा किए गए कार्य विज्ञान के हर क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत हैं। न्यूटन ने वह घटना देखी, जब एक सेब पेड़ से गिरा। उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि सेब का गिरना और ग्रहों की गति एक ही शक्ति, गुरुत्वाकर्षण, के कारण होती है। उन्होंने ₹सार्वभौमिक गुरुत्वाकर्षण का नियम₹ प्रतिपादित किया। न्यूटन ने गति के तीन नियम दिए, जो भौतिकी के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं: जड़त्व का नियम, बल और त्वरण का नियम और क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम। न्यूटन ने सफेद प्रकाश के स्पेक्ट्रम का अध्ययन किया और यह साबित किया कि यह सात रंगों का मिश्रण है। उन्होंने पहला रिफ्लेक्टिंग टेलीस्कोप भी बनाया। गणित के क्षेत्र में, न्यूटन ने कैल्कुलस का विकास किया। यह आज इंजीनियरिंग और विज्ञान के लिए अनिवार्य उपकरण बन चुका है।

न्यूटन की पुस्तक Philosophi Naturalis Principia Mathematica विज्ञान के इतिहास में मील का पत्थर मानी जाती है। इसमें उन्होंने गुरुत्वाकर्षण और गति के सिद्धांतों को विस्तार से समझाया। न्यूटन ने ब्रह्मांड को एक गणितीय और तार्किक प्रणाली के रूप में देखा। उनका मानना था कि प्रकृति के सभी रहस्यों को समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और गणितीय विधियों का सहारा लिया जा सकता है।

जीवन ऊर्जा

अटल बिहारी वाजपेयी (25 दिसम्बर 1924 – 16 अगस्त 2018) भारत के दसवें प्रधानमन्त्री थे। उन्होंने प्रधानमंत्री का पद तीन बार संभाला है, वे पहले 13 दिन के लिए 16 मई 1996 से 1 जून 1996 तक। फिर लगातार 2 साशन; 8 महीने के लिए 19 मार्च 1998 से 13 अक्टूबर 1999 और फिर वापस 13 अक्टूबर 22 मई 2004 तक भारत के प्रधानमन्त्री रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी : जन्म - 25 दिसंबर 1924 | जन्म

हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा

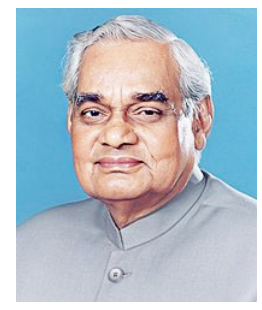

यह सदन देश की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यह लोकतंत्र का मंदिर है। मैंने प्रधानमंत्री पद को कभी लक्ष्य नहीं बनाया। मेरे लिए यह एक दायित्व था, एक सेवा का अवसर था। हमारी सरकार बहुमत साबित नहीं कर पाई, और मैं इसका सम्मान करता हूं। मैं लोकतंत्र के मूल्यों को चोट पहुंचाकर सत्ता में बने रहने का पक्षधर नहीं हूं। सत्ता हमारे लिए साधन है, साध्य नहीं। मैं यहाँ यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हम इस देश के विकास और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज भले ही हम बहुमत नहीं जुटा पाए, लेकिन जनता का विश्वास हमारी ताकत है। हमें विश्वास है कि देश का भविष्य उज्जवल है, और यह राष्ट्र एक बार फिर विश्वगुरु बनेगा। हमने सपना देखा है कि भारत ऐसा राष्ट्र बने जहाँ गरीबी, भुखमरी, और अन्याय के लिए कोई स्थान न हो। हमारा उद्देश्य 'सबका साथ, सबका विकास' है। मेरा यह मानना है कि राजनीति का मतलब केवल कुर्सी नहीं है। यह एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए हम समाज में बदलाव ला सकते हैं। हम लोकतंत्र को मजबूती देंगे। हमारी नीति स्पष्ट है - 'ना दमन, ना भ्रष्टाचार।' सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है।

आज हमें भले ही असफलता का सामना करना पड़ा हो, लेकिन हमारी यात्रा रुकेगी नहीं। हमारी सरकार ने छोटी अवधि में बड़े फैसले किए। हमने परमाणु परीक्षणों से दुनिया को बताया कि भारत अपने आत्मसम्मान के साथ समझौता नहीं करेगा। हमने गांव, गरीब और किसान के लिए योजनाएं बनाईं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

ईश्वर को पाने के लिए 'मन रुपी द्वार' का बंद होना आवश्यक है

एक बार भगवान दुविधा में पड़ गए कि कोई भी मनुष्य जब मुसीबत में पड़ता है, तब मेरे पास भागा-भागा आता है और मुझे सिर्फ अपनी परेशानियां बताने लगता है, मेरे पास आकर कभी भी अपने सुख या अपनी संतुष्टि की बात नहीं करता। मेरे से कुछ न कुछ मांगने लगता है! अंततः भगवान ने इस समस्या के निराकरण के लिए देवताओं की बैठक बुलाई और बोले- कि हे देवो, मैं मनुष्य की रचना करके कष्ट में पड़ गया हूं। कोई न कोई मनुष्य हर समय शिकायत ही करता रहता हैं, जबकि मै उन्हें उसके कर्मानुसार सब कुछ दे रहा हूँ। फिर भी थोड़े से कष्ट में ही मेरे पास आ जाता हैं, जिससे न तो मैं कहीं शांति पूर्वक रह सकता हूं, न ही शास्वत स्वरूप में रहकर साधना कर सकता हूं। आप लोग मुझे कृपया ऐसा स्थान बताएं, जहां मनुष्य नाम का प्राणी कदापि न पहुंच सके।

प्रभु के विचारों का आदर करते हुए देवताओं ने अपने-अपने विचार प्रकट करने शुरू किए। गणेश जी बोले- आप हिमालय पर्वत की चोटी पर चले जाएं। भगवान ने कहा- यह स्थान तो मनुष्य की पहुंच में हैं। उसे वहां पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। इंद्रदेव ने सलाह दी- कि आप किसी महासागर में चले जाएं। वरुण देव बोले- आप अंतरिक्ष में चले जाइए।

भगवान ने कहा- एक दिन मनुष्य वहां भी अवश्य पहुंच जाएगा। भगवान निराश होने लगे थे। वह मन ही मन सोचने लगे-क्या मेरे लिए कोई भी ऐसा गुप्त स्थान नहीं हैं, जहां मैं शांतिपूर्वक रह सकूं। अंत में सूर्य देव बोले- प्रभु! आप ऐसा करें कि मनुष्य के हृदय में बैठ जाएं! मनुष्य अनेक स्थान पर आपको ढूंढने में सदा उलझा रहेगा, क्योंकि मनुष्य बाहर की प्रकृति की तरफ को देखता है दूसरों की तरफ को देखता है खुद के हृदय के अंदर कभी झांक कर नहीं देखता। इसलिए वह यहाँ आपको कदापि तलाश नहीं करेगा। करोड़ों में कोई एक जो आपको अपने हृदय में तलाश करेगा। वह आपसे शिकायत करने लायक नहीं रहेगा, क्योंकि उसकी बाहरी इच्छा शक्ति खत्म हो चुकी होगी। ईश्वर को सूर्य देव की बात पसंद आ गई। उन्होंने ऐसा ही किया और भगवान हमेशा के लिए मनुष्य के हृदय में जाकर बैठ गए। उस दिन से मनुष्य अपना दुख व्यक्त करने के लिए ईश्वर को मन्दिर, पर्वत पहाड़ कंदरा गुफा ऊपर, नीचे, आकाश, पाताल में ढूंढ रहा है पर वह मिल नहीं रहें हैं। परंतु मनुष्य कभी भी अपने भीतर ईश्वर को ढूंढने की कोशिश नहीं करता है। इसलिए मनुष्य हृदय रूपी मन्दिर में बैठे हुए ईश्वर को नहीं देख पाता और ईश्वर को पाने के चक्कर में दर-दर घूमता है, पर अपने हृदय के दरवाजे को खोल कर नहीं देख पाता। 'हृदय रूपी मंदिर' में बैठे हुए ईश्वर को देखने के लिए 'मन रूपी द्वार' का बंद होना अति आवश्यक है, क्योंकि 'मन रूपी द्वार' संसार की तरफ़ खुला हुआ है और 'हृदय रूपी मंदिर' की ओर बंद है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

क्या परिस्थिति बन गई है हमारी. मैं दो दिन मुश्किल से दिल्ली में रहता हूं और गले में इंफेक्शन हो गया है। पूरी दिल्ली प्रदुषण से त्रस्त क्यों है।उन्होंने साफ कहा कि वह खुद ट्रांसपोर्ट मंत्री हैं और यह मानते हैं कि प्रदूषण में करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी ट्रांसपोर्ट सेक्टर की है।

-नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री,भारत सरकार

मीडिया के अनुसार तेजस्वी यादव हिस्ट्री-शीटर रमीज़ नेमत खान के साथ विदेश भ्रमण पर गए हैं। आशंका है कि मोतिहारी विधानसभा से राजद के प्रत्याशी देवा गुप्ता भी उस यात्रा में शामिल हो, जिस पर 28 संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं, 1 लाख रुपये का इनाम घोषित है।

-नीरज कुमार
नेता, जेडीयू

BJP सरकार की इसी सामंतवादी सोच के खिलाफ लड़ाई है और इस लड़ाई में देश के व्यापार की रीढ़- वैश्य समाज के साथ मैं पूरी ताकत से खड़ा हूं।

-राहुल गांधी
नेता, विपक्ष

राहुल गांधी को देश की जनता और अपने लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है। देश की जनता ने उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाया। वे देश विरोधी और भारत के खिलाफ माहौल बनाने वाली ताकतों के साथ रहते हैं। विदेश में जाकर देश विरोधी बात करते हैं। इससे अधिक शर्म की बात कुछ नहीं हो सकती।

-दिलीप जायसवाल
नेता, भाजपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई और पुणे से आने वाले यात्रियों के लिए तीन स्पेशल ट्रेन

मुंबई। मुंबई और पुणे से प्रयागराज आने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने तीन विशेष वन वे ट्रेनों का संचालन किया है। ट्रेन नंबर 01007 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-प्रयागराज वनवे विशेष ट्रेन 26 दिसंबर को मुंबई से चलकर शनिवार दोपहर दो बजे प्रयागराज आएगी। वहीं, 01411 पुणे-प्रयागराज वनवे स्पेशल पुणे से शनिवार की रात 07:55 बजे चलकर सोमवार रात दो बजे प्रयागराज पहुंचेगी। इसी तरह 01499 पुणे-प्रयागराज वनवे स्पेशल 31 दिसंबर की रात पुणे से रात 07:55 बजे चलकर एक जनवरी की रात दो बजे प्रयागराज आएगी।

ऊर्जा कंपनियों के वाहन चालकों के लिए कार्यशाला

लोनावला। महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (महापारेषण) की ओर से ऊर्जा कंपनियों के वाहन चालकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला लोणावळा स्थित होटल रिदम में आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्घाटन महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडल सूत्रधारी कंपनी के स्वतंत्र निदेशक विश्वास पाठक के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी एवं महापारेषण की कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) सुचिता भिकाने, महावितरण के मीडिया सलाहकार डॉ. दिनेश थिटे, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अमोल मालठाणे, प्रदीप शिनगारे तथा यातायात पुलिस निरीक्षक संतोष जाधव उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वास पाठक ने कहा कि कंपनी की प्रगति में वाहन चालकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वाहन चालक अधिकारियों की मानसिकता को समझकर कार्य करें, तो कार्य अधिक प्रभावी ढंग से हो सकता है। उन्होंने वाहन चालकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश भी दिए। वहीं सुचिता भिकाने ने कहा कि यह कार्यशाला एक प्रकार का स्नेह सम्मेलन है। दैनिक कार्य के दौरान वाहन चालकों को अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। यदि कोई समस्या हो तो उसे सीधे तौर पर साझा करें, प्रशासन स्तर पर उसके समाधान की प्रक्रिया की जाएगी।

शिव भक्ति से सराबोर मीरा–भाईंदर

भाईंदर। मीरा–भाईंदर शहर में इन दिनों आस्था और शिव भक्ति की गंगा प्रवाहित हो रही है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के नेतृत्व में जे.पी. नार्थ परिसर में 24 से 28 दिसंबर तक आयोजित शिव महापुराण कथा ने पूरे शहर को शिवमय कर दिया है। कथावाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से निकली शिव नाम की गंगा में डुबकी लगाने के लिए लाखों श्रद्धालु कथा स्थल पर उमड़ पड़े। पहले ही दिन दो लाख से अधिक शिवभक्तों ने कथा श्रवण किया और "हर हर महादेव" के जयघोष से पूरा इलाका गूंज उठा।कथा के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शिव महापुराण का श्रवण स्वयं महादेव की असीम कृपा से ही संभव होता है।

पनवेल और बदलापुर के बीच अब सफर होगा आसान

एनएचएआई ने 14 किमी के नए कनेक्टिंग रोड को दी मंजूरी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने नवी मुंबई के मोरबे सर्कल और कलंबोली के बीच 14 किलोमीटर लंबी नई कनेक्टिंग रोड को मंजूरी दे दी है। यह रोड मोरबे सर्कल को कलंबोली के जरिए सीधे जेएनपीए पोर्ट, नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अटल सेतु से जोड़ेगी। इस परियोजना से पनवेल और नवी मुंबई के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र के आर्थिक व औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

ट्रैफिक जाम से राहत, समय की बचत

नई कनेक्टिंग रोड के शुरू होने से बदलापुर और पनवेल के बीच यात्रा का समय लगभग आधा घंटा कम हो जाएगा। इससे पनवेल-मुंब्रा रोड पर लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी। यह प्रोजेक्ट करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से पूरा होगा, जिसमें 4 किलोमीटर नया रोड और 10 किलोमीटर पुराने रोड को डेवलप किया जाएगा।

इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बढ़ावा

यह रोड तलोजा एमआईडीसी क्षेत्र को नेशनल हाईवे, जेएनपीए पोर्ट और एयरपोर्ट से तेज कनेक्टिविटी देगी। इससे इंडस्ट्री, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और कमर्शियल ट्रैफिक को बड़ा फायदा होगा। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण यह इलाका निवेश के लिए और अधिक आकर्षक बन जाएगा।

मोरबे एरिया बनेगा नया डेवलपमेंट हब

विधायक प्रशांत ठाकुर के अनुसार, मोरबे सर्कल से कलंबोली तक का यह नया लिंक रोड नवी मुंबई के विकास को नई दिशा देगा। मुंबई-बड़ौदा एक्सप्रेस वे का गेटवे होने के कारण मोरबे एरिया की अहमियत और बढ़ गई है। यहां टोल बूथ, मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और फाइव-स्टार होटल जैसे प्रोजेक्ट्स प्रस्तावित हैं, जिससे पनवेल-नवी मुंबई बेल्ट एक बड़े ट्रांसपोर्ट और डेवलपमेंट हब के रूप में उभरेगा।

गठबंधन की घोषणा के बीच उबाठा–मनसे में भगदड़

कई पदाधिकारियों ने थामा शिवसेना का धनुष-बाण

इतिहास संभाल नहीं पाए, इतिहास रचने निकले: डीसीएम शिंदे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के गठबंधन की घोषणा के साथ ही उबाठा और मनसे खेमे में भारी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। इसी पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में उबाठा, मनसे और कांग्रेस के कई पदाधिकारियों ने शिवसेना का धनुष-बाण थाम लिया। इसे दोनों ठाकरे भाइयों के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

शिंदे की मौजूदगी में बड़े पैमाने पर प्रवेश

नासिक और कोल्हापुर जिलों से उबाठा, मनसे और कांग्रेस के सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता आज औपचारिक रूप से शिवसेना में शामिल हुए। इस सामूहिक प्रवेश ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है और आगामी चुनावों के लिहाज से इसे बेहद अहम माना जा रहा है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उबाठा गुट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग बाळासाहेब ठाकरे के विचारों और विरासत को संभाल नहीं पाए, वे इतिहास रचने की बातें कर रहे हैं। महाराष्ट्र की जनता ने साढ़े तीन साल में ही ऐसे लोगों को उनकी असली जगह दिखा दी है।

गठबंधन पर करारा तंज

शिंदे ने कहा कि कुछ गठबंधन जनता और राज्य के हित में बनते हैं, जबकि कुछ केवल सत्ता और कुर्सी बचाने के लिए किए जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में महायुति पूरी तरह मजबूत है और लोकसभा, विधानसभा व नगर परिषद चुनावों में उसकी सफलता इसका प्रमाण है।

मुंबई विकास पर महायुति का दावा

शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार ने मुंबई के पुनर्विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। 35 लाख मुंबईकरों को घर देने की शुरुआत, पगड़ी प्रथा खत्म करने का संकल्प, रमाबाई नगर और कमाठीपुरा पुनर्विकास जैसी परियोजनाएं इसका उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि हम जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं।अपने भाषण के अंत में एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज जो लोग एक साथ आए हैं, वे मुंबईकरों या महाराष्ट्र के हित के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए जुटे हैं। लेकिन महाराष्ट्र की जनता समझदार है और आने वाले समय में उन्हें फिर से उनकी जगह दिखा देगी।

सांस्कृतिक महोत्सव 'विजनेक्सा 25' में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की भविष्य की झलक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एचएसएनसी विश्वविद्यालय के के.सी. कॉलेज, चर्चगेट में कंप्यूटर एप्लीकेशन्स विभाग के विद्यार्थियों द्वारा 23 और 24 दिसंबर को तकनीकी, खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 'विजनेक्सा 25' का आयोजन किया गया। रामा एवं सुंदरी वट्टुमुल ऑडिटोरियम में हुए उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना था। रोबोटिक्स को केंद्र में रखकर भविष्य की तकनीक-आधारित संभावनाओं को साकार करने का प्रयास किया गया।

विविध प्रतियोगिताओं से सर्वांगीण विकास पर जोर

विजनेक्सा'25 के तहत हैकाथॉन, रोबोटिक्स प्रतियोगिताएं, स्टेम क्विज, तर्क एवं समस्या समाधान, फिफा, पबजी, बॉक्स क्रिकेट, टग ऑफ वॉर, ट्रेजर हंट, स्क्विड गेम और टैलेंट शो जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने और नवाचार की दिशा में प्रेरित करने की एक सार्थक पहल साबित हुआ, जिसके माध्यम से के.सी. कॉलेज के कंप्यूटर एप्लीकेशन्स विभाग ने उज्ज्वल भविष्य का संदेश दिया।

आईआरसीटीसी वेस्ट जोन का 26वां एन्युअल डे समारोह

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज़्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) वेस्ट जोन, मुंबई ने 19 दिसंबर 2025 को अपना 26वां एन्युअल डे समारोह उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। इस अवसर पर ग्रुप जनरल मैनेजर गौरव झा ने पश्चिमी क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों और कार्य निष्पादन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गत वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष वेस्ट जोन के लिए दृढ़ता, निरंतरता और सशक्त प्रदर्शन का रहा है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद वेस्ट जोन ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

राजस्व और परिचालन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

अपने संबोधन में गौरव झा ने बताया कि मोबाइल केटरिंग, जो वेस्ट जोन का सबसे बड़ा राजस्व स्रोत है, ने लगभग 360 करोड़ का कारोबार किया। वेस्ट जोन द्वारा 13 वंदे भारत, 12 राजधानी–शताब्दी, 96 मेल/एक्सप्रेस WCB, 83 एंड-टू-एंड TSV तथा 329 ट्रेनों में सेक्शनल TSV मॉडल के तहत केटरिंग सेवाओं का सफल संचालन किया गया। इसके साथ ही नागपुर–सिकंदराबाद और पुणे–कोल्हापुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ कर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। शॉर्ट-टर्म मोबाइल टेंडरों का लॉन्ग-टर्म क्लस्टर मॉडल में रूपांतरण भी इस वर्ष की बड़ी उपलब्धि रही, जिसके तहत 34 क्लस्टर, 119 ट्रेनें और 163 किचन यूनिट्स का संचालन शुरू हुआ।

कर्मचारियों का सम्मान और टीमवर्क की सराहना

समारोह में चुनाव विशेष और FTR ट्रेनों में 7.56 लाख से अधिक भोजन उपलब्ध कराकर लगभग 14.20 करोड़ का राजस्व अर्जित करने पर भी संतोष व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 50 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि 6 समूहों को सामूहिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। गौरव झा ने कहा कि ये सभी उपलब्धियाँ आईआरसीटीसी वेस्ट जोन के अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण, टीमवर्क और निरंतर परिश्रम का परिणाम हैं।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के JNPT–वैतरणा सेक्शन का रेल कार द्वारा निरिक्षण

मुंबई। 22 दिसंबर 2025 को, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCCIL) के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रवीण कुमार ने वैतरणा से JNPT पोर्ट तक, जो वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) का शुरुआती पॉइंट है, लगभग 102 किमी की दूरी तय करते हुए रेल कार द्वारा निरीक्षण सफलतापूर्वक किया। यह निरीक्षण DFCCIL की CGM/मुंबई यूनिट के अधिकार क्षेत्र में आने वाले WDFC के एक ज़रूरी हिस्से, JNPT–वैतरणा सेक्शन के नए बने DFCCIL ट्रैक पर पहली बार हुआ। यह विस्तृत निरिक्षण मैनेजिंग डायरेक्टर ने किया. उनके साथ डायरेक्टर (इंफ्रास्ट्रक्चर) अनुराग शर्मा, एग्जीक्यूटिव

डायरेक्टर (प्रोजेक्ट्स) संदेश श्रीवास्तव और चीफ जनरल मैनेजर (मुंबई) विकास कुमार भी उपस्थित थे। इंस्पेक्शन के दौरान DFCCIL मुंबई यूनिट के सीनियर अधिकारी, एग्जीक्यूटिव एजेंसियों M/s टाटा प्रोजेक्ट्स, M/s L&T, M/s KPIL के रिप्रेजेंटेटिव और दूसरे कंसल्टेंट भी मौजूद थे। इस रेल कार इंस्पेक्शन का सफलतापूर्वक पूरा होना JNPT–वैतरणा (102 किमी) सेक्शन के कमीशनिंग की दिशा में एक अहम पड़ाव है। पूरी तरह से चालू होने के बाद, यह सेक्शन भारत के अंदरूनी इलाकों और JNPT पोर्ट के बीच फ्रेट कनेक्टिविटी को काफी बढ़ाएगा, जिससे DFCCIL का वर्ल्ड-क्लास फ्रेट इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का कमिटमेंट और पक्का होगा। पूरे हिस्से में से, वैतरणा से न्यू खरबाओ सेक्शन (30 km) पहले ही पूरी तरह से इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है, जिसका 30 नवंबर 2025 को सफल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव ट्रायल रन किया गया था। बाकी हिस्से पर इलेक्ट्रिफिकेशन और सिग्नलिंग का काम तेज़ी से चल रहा है और जल्द ही पूरा होने वाला है।

'सतयुग आगमन साकेत महायज्ञ 2025-26' का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

परम पूज्य सद्गुरु श्री दयाल जी महाराज की अनंत कृपा से दिव्य और ऐतिहासिक "सतयुग आगमन साकेत महायज्ञ 2025-26" का आयोजन नवी मुंबई में किया जा रहा है। इस भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ 24 दिसंबर 2025 को होगा और यह 3 जनवरी 2026 तक गामी इंडस्ट्रियल पार्क, नवी मुंबई में संपन्न होगा। इस महायज्ञ के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु, संत-सेवक और गुरु भक्तों के पहुंचने की संभावना है।

आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व

यह महायज्ञ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण का पर्व है, जहां आत्मा को शांति, करुणा और दिव्य अनुभूति प्राप्त होती है। सद्गुरु श्री दयाल जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित यह चौथा महायज्ञ है, जिसमें सेवादल के सदस्य सतत रूप से व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को सुचारु और पावन अनुभव मिल सके।

भक्ति, सेवा और सत्संग के विविध आयोजन

आयोजक मंडल के अनुसार, महायज्ञ के दौरान भक्ति, ध्यान, सत्संग और सेवा के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो न केवल आत्मिक शांति प्रदान करेंगे, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और सत्य की भावना को भी सुदृढ़ करेंगे। सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक श्रद्धालु इस महायज्ञ में भाग ले सकते हैं। साथ ही, आने वाले सभी भक्तों के लिए निःशुल्क महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई है।

शाहबाद स्टेशन पर मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन ने 23 दिसंबर 2025 को शाहबाद रेलवे स्टेशन पर मेगा हेल्थ चेक-अप कैंप का सफल आयोजन किया। यह पहल कर्मचारी कल्याण और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति डिवीजन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य रेलवे समुदाय को समय पर और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। यह कैंप डिवीजनल रेलवे हॉस्पिटल, सोलापुर और रेलवे हॉस्पिटल, वाडी के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया, जिसमें सेवारत व सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने स्वास्थ्य जांच कर RBS टेस्ट, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग और ECG जैसी आवश्यक जांचें कीं, साथ ही मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श और आवश्यक दवाएं भी वितरित की गईं। कैंप को रेलवे लाभार्थियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और बड़ी संख्या में लोगों ने इसका लाभ उठाया। इस पहल से स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान, निवारक देखभाल के प्रति जागरूकता और रेलवे समुदाय की समग्र भलाई को बढ़ावा मिला। सफल आयोजन ने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने में सोलापुर डिवीजन के सक्रिय और संवेदनशील दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

राशिफल
प्रियंका जैन

मेष दूसरों के काम में कमियाँ न निकालें। आप निर्णय लेने में थोड़ी बहुत चूक कर सकते हैं। परिवार के लोगों से अपने सम्बन्ध अच्छे रखें। पति-पत्नी के बीच सम्बन्धों में दबाव महसूस होगा। समय रहते हुये मामलों को सुलझा लें। जरूरी काम लम्बित हो सकते हैं।

वृष कारोबारियों के लिये दिन बहुत शुभ है। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती है। समाज में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन में सुधार होगा। कम समय में उच्चतम गुणवत्ता का काम करेंगे।

मिथुन मित्रों के स्वभाव में आया अचानक बदलाव आपको दुखी करेगा। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। परिवार की इच्छाओं के लिये आपको त्याग करना पड़ सकता है। अत्यधिक काम के कारण आपको आराम नहीं मिलेगा जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है।

कर्क व्यवसाय में कुछ धीमेपन के बाद अच्छी गति रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है। शेयर मार्केट में आप बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। विद्यार्थियों के लिये दिन बहुत अच्छा है। आप परोपकार के कार्यों में लगे रहेंगे।

सिंह आय के नये स्रोत बन सकते हैं। अवसरों का लाभ उठाने में चूक न करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोग अपनी कूटनीतिक क्षमता का परिचय देंगे। पैतृक व्यवसाय में तेजी आयेगी। पुरानी यादें दोबारा ताजा हो सकती है।

कन्या छोटी-छोटी बातों पर विचलित होने से बचें। युवा प्रेम सम्बन्धों को लेकर सावधान रहें। माता-पिता की अवहेलना न करें। बनते कार्यों में रुकावटे आने की आशंका है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं।

तुला नकारात्मक बातों पर ज्यादा ध्यान न दें। आज आपका मन कुछ अप्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी हो सकती है। अपनी दिनचर्या को सन्तुलित रखें। गैरकानूनी कार्यों की तरफ रुचि लेना उचित नहीं है।

वृश्चिक पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। व्यापारिक गतिविधियाँ शानदार रहेंगी। घर के सभी सदस्य आपके ऊपर काफी प्रसन्न रहने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी काफी प्रशंसा करेंगे। प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

धनु सम्पत्ति के क्रय-विक्रय से बड़ा धन लाभ होगा। घर में निकट सम्बन्धी और रिश्तेदार आ सकते हैं। कुछ महत्वपूर्ण अनुबन्ध होने के योग बन रहे हैं। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। परिवार में आपसी प्रेम और स्नेह बढ़ेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होगा।

मकर नयी नौकरी की शुरुआत करने के लिये दिन अच्छा है। कार्यक्षेत्र में प्रतिद्वंदिता के कारण परेशानी होगी। व्यर्थ की गतिविधियों में धन खर्च न करें। पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। खानपान में संयम रखें। नसों में खिंचाव और दर्द की शिकायत हो सकती है।

कुंभ व्यवसाय में बड़ी डील को लेकर परेशानी हो सकती है। जॉब में आपका मन नहीं लगेगा। निजी मामलों को लेकर बाहरी लोगों से सलाह न लें। योग और व्यायाम करने से आप स्वस्थ रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों को लेकर लापरवाही न करें।

मीन अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यवसाय को लेकर बड़ा निर्णय ले सकते हैं। परिजनों के साथ बहुत अच्छा समय बितायेंगे। मीडिया से जुड़े लोगों के लिये दिन विशेष रूप से शुभ है। मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो सकते हैं।

कालसर्प दोष: भय, सच्चाई और प्रभावी उपाय

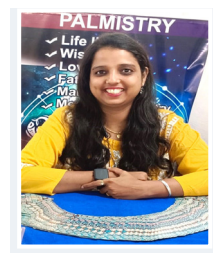

प्रियंका जैन
9769994439

कालसर्प दोष को लेकर समाज में भय और आशंकाओं का माहौल अक्सर देखा जाता है। कुछ लोग इसे अत्यंत घातक दोष मानते हैं तो कुछ इसे केवल एक योग कहकर नकार देते हैं। लेकिन वर्षों के ज्योतिषीय अध्ययन और कुंडलियों के विश्लेषण से यह बात सामने आती है कि जिन जातकों की जन्मकुंडली में कालसर्प दोष होता है, उनका जीवन सामान्य नहीं रहता। ऐसा व्यक्ति या तो अत्यधिक संघर्षों और कठिनाइयों से घिरा रहता है या फिर असाधारण सफलता, ऊँचे पद और प्रभावशाली स्थिति तक पहुँचता है। यही कारण है कि कहा जाता है कि कालसर्प दोष वाला जीवन या तो रंक जैसा होता है या राजा जैसा।

प्राचीन ज्योतिष ग्रंथों में कालसर्प दोष का कोई स्पष्ट और विस्तृत वर्णन नहीं मिलता, लेकिन आधुनिक ज्योतिष में इसे विशेष महत्व दिया गया है। इस विषय पर विद्वानों के मत भी एक जैसे नहीं हैं। कुछ इसे केवल राहु-केतु की स्थिति का सामान्य योग मानते हैं, जबकि कई ज्योतिषाचार्य इसके गहरे और दीर्घकालिक प्रभावों को स्वीकार करते हैं। राहु का अधिदेवता 'काल' और केतु का अधिदेवता 'सर्प' माना गया है। जब जन्मकुंडली में राहु और केतु के बीच एक ही ओर सभी ग्रह आ जाते हैं, तब उस स्थिति को कालसर्प दोष कहा जाता है। चूंकि राहु और केतु वक्री गति से चलते हैं, इसलिए इनका प्रभाव व्यक्ति के जीवन में अचानक और अप्रत्याशित घटनाओं के रूप में सामने आता है।

ज्योतिष शास्त्रों में कालसर्प दोष के बारह प्रकार बताए गए हैं—अनंत, कुलिक, वासुकि, शंखपाल, पद्म, महापद्म, तक्षक, कर्कोटक, शंखनाद, घातक, विषाक्त और शेषनाग। इनका निर्धारण कुंडली में राहु-केतु की स्थिति और भावों के आधार पर होता है। यदि इस दोष के साथ राहु या केतु की दशा अथवा अंतरदशा चल रही हो और अन्य ग्रह नीच, अस्त, वक्री या शत्रु राशि में हों, तो जातक को जीवन में गंभीर कष्टों का सामना करना पड़ता है। हालांकि यही योग कई बार व्यक्ति को असाधारण ऊँचाइयों तक भी ले जाता है, लेकिन पतन भी उतना ही अचानक और पीड़ादायक होता है। कालसर्प दोष के प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई दे सकते हैं। बाल्यकाल में बार-बार बीमार पड़ना, दुर्घटनाएं होना या चोट लगना इसके शुरुआती संकेत माने जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में पढ़ाई में मन न लगना, बार-बार रुकावट आना या किसी कारणवश पढ़ाई छूट जाना भी इसका प्रभाव हो सकता है। विवाह में विलंब, वैवाहिक जीवन में तनाव, मनमुटाव और यहां तक कि तलाक जैसी स्थिति भी इस दोष से जुड़ी मानी जाती है। संतान प्राप्ति में बाधा या संतान की प्रगति में रुकावट, परिवारजनों और सहयोगियों से धोखा मिलना, घर के किसी सदस्य का लंबे समय तक बीमार रहना और बीमारी का सही कारण न मिल पाना भी इसके लक्षणों में गिना जाता है। इसके अलावा रोजगार में अस्थिरता, मेहनत के बावजूद आर्थिक बरकत न होना, बार-बार दुर्घटनाओं का होना, घर की महिलाओं को निरंतर समस्याओं का सामना करना, घर में रोज़-रोज़ कलह और मानसिक अशांति रहना भी कालसर्प दोष के प्रभाव माने जाते हैं। कई बार मांगलिक कार्यों में बार-बार बाधाएं आती हैं, परिवार में गर्भपात या अकाल मृत्यु की घटनाएं होती हैं और व्यक्ति के स्वभाव में चिड़चिड़ापन, भय और नकारात्मकता बढ़ जाती है। कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए त्र्यम्बकेश्वर को सबसे प्रमुख और प्रभावी स्थान माना गया है, जहां विधिवत शांति कर्म कराया जाता है। हालांकि यह प्रक्रिया समय और धन दोनों की दृष्टि से हर व्यक्ति के लिए संभव नहीं होती।

न्यूज ब्रीफ

विधान परिषद में आरक्षण पर टकराव, सत्ता-विपक्ष आमने-सामने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद का शीतकालीन सत्र बुधवार को तीखी नोकझोंक और शोर-शराबे के बीच समाप्त हुआ। आरक्षण से जुड़े एक प्रश्न पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जवाब के दौरान विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हो गई। कार्यवाही के दौरान उप मुख्यमंत्री लेखपाल भर्ती में आरक्षण से संबंधित कथित अनियमितताओं पर विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दे रहे थे। इसी बीच उनके वक्तव्य से असहमति जताते हुए विपक्षी दलों के सदस्य अपनी सीटों से उठकर वेल में पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। हालात ऐसे बने कि सत्ता और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी बहस और गर्मागर्मी देखने को मिली। हंगामे के बीच उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए स्पष्ट कहा कि पिछड़ा वर्ग के अधिकारों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरक्षण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी और यदि कोई अधिकारी दोषी पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि सच्चाई सुनने का साहस रखा जाए। वहीं, विपक्षी सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री के बयान पर आपत्ति जताते हुए भारतीय जनता पार्टी पर आरक्षण विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया। विपक्ष का कहना था कि सरकार की नीतियां आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने वाली हैं। लगातार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही प्रभावित होती रही और सत्र का अंतिम दिन भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ गया।

नेपाल, बिहार के शातिरों ने चुराया 60 लाख का मोबाइल

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र में मोबाइल शोरूम से हुई बड़ी चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से लगभग 60 लाख रुपए मूल्य के 113 स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं। गिरोह का एक सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने देर रात आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सात दिसंबर को गोविंदनगर स्थित कृष्णा मोबाइल नामक दुकान से शटर तोड़कर महंगे मोबाइल फोन चोरी किए गए थे। यह दुकान नीरज बलेचा की बताई गई है। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच की दिशा तय की। घटना के बाद गठित तीन विशेष पुलिस टीमों ने करीब 17 दिनों तक कानपुर, लखनऊ, बिहार और नेपाल सहित कई स्थानों पर सघन छानबीन की। इस दौरान लगभग 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों को धर दबोचा और चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के पूर्वी चंपारण जनपद स्थित घोड़ासहन निवासी मुबीन, प्रमोद पासवान और मुकेश, नेपाल के परसा निवासी कृष्णा तथा कानपुर के बजरिया क्षेत्र निवासी शोएब के रूप में हुई है। गिरोह का एक अन्य सदस्य असलम, निवासी बिहार, फिलहाल फरार है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि चोरी किए गए मोबाइल फोन नेपाल में खपाए जाते थे।

उत्तराखंड कैबिनेट ने वैट में दी बड़ी राहत, पेंशन बढ़ी

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट बैठक में जनहित और विकास से जुड़े 11 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। बैठक में जहां प्राकृतिक गैस पर वैट में भारी कटौती का निर्णय लिया गया, वहीं कलाकारों की पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि, औद्योगिक विकास और कार्मिक व्यवस्थाओं से जुड़े कई बड़े फैसले भी किए गए। कैबिनेट ने प्राकृतिक गैस पर वैट की दर को 20 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की स्वीकृति दी है। सरकार के इस निर्णय से घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही आपदा प्रभावित क्षेत्रों के किसानों के हित में सेब की न्यूनतम समर्थन कीमत भी तय कर दी गई है। कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के प्रस्ताव के तहत धराली और आसपास के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में रॉयल डिलिशियस सेब का मूल्य 51 रुपए प्रति किलो और अन्य रेड डिलिशियस किस्म का मूल्य 45 रुपए प्रति किलो निर्धारित किया गया है। इससे प्रभावित बागवानों को आर्थिक संबल मिलेगा। सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े कलाकारों के लिए भी राहत भरी खबर आई है। कैबिनेट ने कलाकारों की मासिक पेंशन को 3 हजार रुपए से बढ़ाकर 6 हजार रुपए करने का फैसला किया है। भवन निर्माण और औद्योगिक विकास को लेकर भी नियमों में बदलाव किए गए हैं। अब लो-रिस्क भवनों के लिए इन-पैनल आर्किटेक्ट के माध्यम से स्वीकृति ली जा सकेगी, जिससे प्राधिकरणों के चक्कर लगाने की बाध्यता समाप्त होगी। वहीं औद्योगिक विकास विभाग में लॉज के लिए ग्राउंड कवरेज बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। कार्मिक व्यवस्थाओं में बदलाव करते हुए बांस एवं रेशा विकास परिषद के ढांचे में संशोधन किया गया है। तकनीकी प्रकृति के 13 पदों पर अब उपनल के बजाय आउटसोर्सिंग या अनुबंध के माध्यम से नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा जिन वर्ग-चार कर्मचारियों ने अस्थायी रूप से कार्य किया और बाद में नियमित हुए, उन्हें पेंशन का लाभ दिया जाएगा।

स्वास्थ्य व कृषि क्षेत्र को दी गई मजबूती

11 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगाई गई मुहर

आयुष्मान और अटल कार्ड पर भी रियायत

स्वास्थ्य बीमा3. योजनाओं में भी बड़ा निर्णय लिया गया है।

आयुष्मान और अटल आयुष्मान योजनाएं अब पूर्णतः इंश्योरेंस मोड में संचालित होंगी, जबकि गोल्डन कार्ड हाइब्रिड मॉडल पर चलेगा। पांच लाख रुपए तक के दावे बीमा कंपनी द्वारा और उससे अधिक के दावे ट्रस्ट मोड से निपटाए जाएंगे। महंगाई दर के अनुसार कर्मचारियों के अंशदान में भी वृद्धि की गई है, जो अब 250 रुपए से बढ़कर 450 रुपए तक होगी। चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में भी अहम सुधार किए गए हैं। उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा सेवा संशोधन नियमावली को मंजूरी देते हुए प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर की सेवानिवृत्ति आयु 50 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई है। सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के लिए अलग विभाग गठित करने का भी निर्णय लिया गया है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों को अतिरिक्त भत्ता

इसके अलावा हल्द्वानी स्थित स्वामी राम कैंसर इंस्टीट्यूट में चार नए पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई है। श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में समान कार्य-समान वेतन के तहत कार्यरत संविदा, दैनिक और नियत वेतन कर्मियों को लाभ मिलेगा। दुर्गम और अति दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत विशेषज्ञ डॉक्टरों को 50 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता देने का निर्णय लिया गया है, जिससे लगभग 300 चिकित्सकों को सीधा लाभ होगा। कैबिनेट के इन फैसलों को राज्य के आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

मुजफ्फरपुर में वंदे भारत पर पथराव, शीशे टूटे

तीन बोगियों की खिड़की में लगे शीशे क्षतिग्रस्त

पथराव करने वाले तीन नाबालिग हिरासत में

एजेंसी । पटना

देश की अत्याधुनिक और प्रीमियम रेल सेवा वंदे भारत एक्सप्रेस को निशाना बनाने की एक गैर-जिम्मेदाराना हरकत बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में सामने आई है। ट्रेन पर पथराव की इस घटना में तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। सौभाग्य से इस वारदात में कोई यात्री घायल नहीं हुआ, हालांकि ट्रेन की तीन बोगियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। यह घटना काँटी थाना क्षेत्र के कपड़पुरा स्टेशन के पास की है। बताया गया कि नरकटियागंज से गुजर रही वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 26502) के निकलते समय रेलवे ट्रैक के समीप मौजूद कुछ किशोरों ने अचानक पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। पत्थर लगने से ट्रेन की कई खिड़कियों के शीशे टूट गए, जिससे यात्रियों में घबराहट फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे कंट्रोल रूम ने तत्काल संबंधित एजेंसियों को अलर्ट किया। इसके बाद रेल पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके में तलाशी अभियान चलाया और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने दिया हास्यास्पद बयान

पूछताछ के दौरान किशोरों ने बताया कि वे किसी आपराधिक मंशा से नहीं, बल्कि आपस में निशाना लगाने का अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान उनकी यह हरकत ट्रेन पर पथराव में बदल गई, जिससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। रेल पुलिस अधीक्षक वीणा कुमारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी आरोपी विधि विरुद्ध बालक हैं। किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत उन्हें रिमांड होम भेज दिया गया है और मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे रेलवे ट्रैक के आसपास सतर्कता बरतें और बच्चों को इस तरह के खतरनाक स्थानों पर खेलने से रोकें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की लापरवाही न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है।

मकान दूसरे को देने पर पति ने की हत्या

पति का खरीदा मकान पत्नी ने ममेरे भाई को कर दिया था बैनामा

एजेंसी । बागपत

जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। संपत्ति को लेकर चल रहे मतभेद के बीच एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और इसके बाद सीधे थाने पहुंचकर पुलिस के सामने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद के जलालाबाद निवासी रमन पाल ने लगभग दो वर्ष पूर्व रामपुर स्थित शाह गार्डन कॉलोनी में एक मकान खरीदा था, जिसे उसने अपनी पत्नी संगीता (50) के नाम पंजीकृत कराया था। बाद में संगीता ने पति को बिना बताए उक्त मकान अपने ममेरे भाई राजीव के नाम कर दिया। इस बात का पता चलने पर पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद होने लगा। बताया जा रहा है कि संगीता अपने ममेरे भाई के साथ रहने लगी थी और अपनी अन्य संपत्ति भी उसके नाम करने की तैयारी में थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तनाव बढ़ता गया, जो अंततः हत्या जैसी वारदात में बदल गया। बुधवार सुबह रमन पाल ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी।

थाने पहुंच स्वीकार किया अपराध

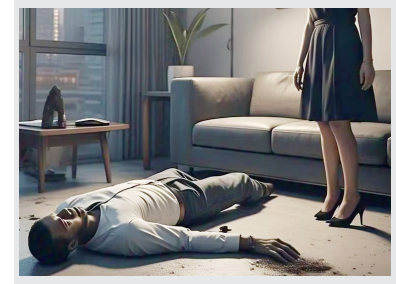

घटना के बाद आरोपी स्वयं खेकड़ा थाने पहुंचा और पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। थाना प्रभारी प्रभाकर कैंतुरा ने बताया कि रमन पाल सुबह करीब साढ़े दस बजे थाने आया और उसने बताया कि संपत्ति विवाद के चलते उसने अपनी पत्नी की हत्या की है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रात के अंधेरे में युवक की धारदार हथियार से हत्या

अमेठी। जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पिंडारा ठाकुर गांव में मंगलवार देर रात हुई एक जघन्य वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। घर से बाहर निकले एक नवयुवक पर अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में भय और शोक का माहौल व्याप्त है। मृतक की पहचान 23 वर्षीय रत्नेश मिश्र, पुत्र संतोष मिश्र, के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार रत्नेश देर रात शौच के लिए घर से निकला था। इसी दौरान पहले से घात लगाए हमलावरों ने उस पर अचानक हमला बोल दिया। गंभीर रूप से घायल रत्नेश मौके पर ही गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने शोर सुनकर उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर कर दिया गया। हालांकि इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर गांव के ही छह लोगों के खिलाफ नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है और लगातार दबिश दी जा रही है।

व्यापार जगत

भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन को रफ्तार देगी रणनीतिक साझेदारी, सचिन तेंदुलकर टुजोन सोलर से जुड़े

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के नवीकरणीय ऊर्जा मिशन को नई गति देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सनटेक एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, जो अपने प्रमुख ब्रांड टुजोन सोलर के तहत कार्यरत है, ने महान क्रिकेटर, वैश्विक स्पोर्ट्स आइकन और परोपकारी व्यक्तित्व सचिन तेंदुलकर के साथ रणनीतिक निवेश और दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक साझेदारी टुजोन सोलर की विकास यात्रा में एक निर्णायक मील का पत्थर मानी जा रही है। इससे कंपनी की 2030 तक भारत की शीर्ष तीन सोलर ईपीसी कंपनियों में शामिल होने की महत्वाकांक्षा को मजबूती मिलेगी। भरोसे, उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक सचिन तेंदुलकर के साथ जुड़ाव टुजोन सोलर की ब्रांड विश्वसनीयता को उल्लेखनीय रूप से सशक्त करेगा और उसे एक सशक्त राष्ट्रीय क्लीन एनर्जी कंपनी के रूप में स्थापित करेगा। यह रणनीतिक निवेश टुजोन सोलर के अगले विस्तार चरण को समर्थन देगा, जिसमें निष्पादन क्षमताओं का विस्तार, परिचालन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और सोलर वैल्यू चेन में डिलीवरी को और सुदृढ़ करना शामिल है। कंपनी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और केरल जैसे उच्च क्षमता वाले बाजारों में आक्रामक विस्तार की योजना बना रही है। इस साझेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए टुजोन सोलर के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक चरुगुंडला भवानी सुरेश ने कहा, " सचिन तेंदुलकर के साथ यह साझेदारी केवल एक निवेश नहीं है, बल्कि यह हमारे मूल्यों, सुशासन और दीर्घकालिक दृष्टि की पुष्टि करती है। टुजोन सोलर में उनका विश्वास एक भरोसेमंद, स्केलेबल और भविष्य के लिए तैयार सोलर उद्यम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। हम मिलकर क्लीन एनर्जी को देशभर के घरों, व्यवसायों और उद्योगों के लिए एक जिम्मेदार और मुख्यधारा विकल्प बनाने की दिशा में काम करेंगे।" टुजोन सोलर आवासीय, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (C&I) और बड़े पैमाने की अवसंरचना परियोजनाओं में एंड-टू-एंड सोलर समाधान प्रदान करता है। कंपनी यूटिलिटी-स्केल ईपीसी प्रोजेक्ट्स, रूफटॉप सोलर सिस्टम, पीएम-कुसुम, कृषि सोलर कार्यक्रम, औद्योगिक सीएसजी परियोजनाएं और व्यापक संचालन एवं रखरखाव सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है। मजबूत निष्पादन रिकॉर्ड, ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण और तेजी से बढ़ती राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ टुजोन सोलर गुणवत्ता, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक प्रभाव पर केंद्रित एक विशिष्ट सोलर प्लेटफॉर्म का निर्माण कर रहा है।

असुरक्षित लोन से भारतीय उपभोक्ताओं की क्रेडिट पहुंच में सुधार, पोर्टफोलियो गुणवत्ता मजबूत: एक्सपेरियन

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक डेटा और प्रौद्योगिकी कंपनी एक्सपेरियन ने अपनी नवीनतम क्रेडिट एनालिसिस रिपोर्ट असुरक्षित क्रेडिट, सितंबर 2025 जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में असुरक्षित कर्ज के विस्तार से उपभोक्ताओं की औपचारिक कर्ज तक पहुंच बेहतर हुई है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड, दोपहिया वाहन लोन और कंज्यूमर ड्यूरेबल कर्ज जैसे प्रमुख सेगमेंट्स में मजबूत ग्रोथ के साथ पोर्टफोलियो गुणवत्ता में भी अहम सुधार देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, पर्सनल लोन का एयूएम बढ़कर 15.9 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है, जो सालाना आधार पर 13 प्रतिशत अधिक है। वहीं, क्रेडिट कार्ड एयूएम 9 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 3.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसके अलावा, दुपहिया वाहन और कंज्यूमर ड्यूरेबल कर्ज पोर्टफोलियो में क्रमशः 18 प्रतिशत और 16 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। एक्सपेरियन के आकलन में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में नए कर्ज वितरण में मजबूती आई है। इसके पीछे प्रमुख कारण बढ़ते टिकट साइज, एनबीएफसी की बढ़ती भागीदारी और कर्ज लेने वालों के बेहतर भुगतान व्यवहार हैं। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि भारत का अनसिक्योर्ड क्रेडिट इकोसिस्टम अब अधिक परिपक्व हो रहा है, जहां कर्जदाता बेहतर अंडरराइटिंग प्रथाएं अपना रहे हैं और उपभोक्ताओं में क्रेडिट अनुशासन मजबूत हो रहा है। डिजिटल लेंडिंग के बढ़ते इस्तेमाल, सेमी-अर्बन और टियर-3 व टियर-4 बाजारों में क्रेडिट पहुंच के विस्तार तथा अधिक संरचित और पारदर्शी उधारी मॉडल ने इन रुझानों को और मजबूती दी है। शुरुआती-चरण की चूक में सुधार से पोर्टफोलियो की स्थिरता और मजबूती भी साफ झलकती है। इस पर टिप्पणी करते हुए एक्सपेरियन इंडिया के कंट्री मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष जैन ने कहा, "भारत के असुरक्षित ऋण क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहा है। मांग लगातार बढ़ रही है, उपभोक्ता उच्च टिकट साइज की ओर बढ़ रहे हैं और पुनर्भुगतान व्यवहार में निरंतर सुधार हो रहा है। सभी उत्पादों में शुरुआती चूक में सुधार यह संकेत देता है कि उपभोक्ता और कर्जदाता दोनों ही अधिक जिम्मेदार फैसले ले रहे हैं, जो एक परिपक्व क्रेडिट इकोसिस्टम की दिशा में सकारात्मक संकेत है।" उन्होंने आगे कहा कि एक्सपेरियन के स्कोर, डेटा और एडवांस्ड एनालिटिक्स वित्तीय संस्थानों को जोखिम का बेहतर आकलन करने, पोर्टफोलियो प्रदर्शन मजबूत करने और जिम्मेदारी से क्रेडिट विस्तार में मदद कर रहे हैं। एक्सपेरियन भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और एक अधिक पारदर्शी, कुशल व मजबूत क्रेडिट इकोसिस्टम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने देशभर में अपना 115वां स्थापना दिवस मनाया

एजेंसी । मुंबई

भारत के पहले स्वदेशी बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने देशभर में विविध स्मरणीय कार्यक्रमों के साथ अपना 115वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (DFS) के सचिव एम. नागराजू, आईएएस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बैंकिंग क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी, विशिष्ट ग्राहक और गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

आम आदमी पर फोकस, मजबूत आरएएम पोर्टफोलियो

एम. नागराजू ने बताया कि बैंक के कुल ऋणों में 72 प्रतिशत हिस्सेदारी आरएएम (रिटेल, कृषि और एमएसएमई) की है, जो आम आदमी की सेवा के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने बैंक के व्यवसाय और लाभप्रदता में आए उल्लेखनीय सुधार की भी सराहना की और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया।

बैंक का मजबूत नेटवर्क और वित्तीय स्थिति

इससे पूर्व सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कल्याण कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए एम. नागराजू के तीन दशकों से अधिक के प्रशासनिक अनुभव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के रूप में नागराजू ने बैंकिंग, बीमा और वित्तीय समावेशन ढांचे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कल्याण कुमार ने बताया कि बैंक का अखिल भारतीय नेटवर्क देश की आर्थिक गतिविधियों को मजबूती प्रदान कर रहा है। स्थापना दिवस सप्ताह के दौरान बैंक द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कई पहलें की गईं। इनमें "फिट रहे–स्वस्थ रहे", "पेड़ लगाएं–जीवन बचाएं", "स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत", "सेवा ही संकल्प" और "सेंट इंटेलिका" जैसे अभियान शामिल रहे। इन कार्यक्रमों के तहत देशभर में 25,000 से अधिक पौधे लगाए गए। समारोह के दौरान सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा कई ग्राहक-अनुकूल उत्पादों का शुभारंभ किया गया। साथ ही ग्राहक सेवा और शिकायत निवारण पर आधारित एक विशेष हैंडबुक का औपचारिक विमोचन भी एम. नागराजू द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में बैंक के कार्यपालक निदेशक एम. वी. मुरली कृष्णा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और 115वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने तथा बहुमूल्य समय देने के लिए मुख्य अतिथि एम. नागराजू के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा

समारोह को संबोधित करते हुए एम. नागराजू ने कहा कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 115वें स्थापना दिवस का साक्षी बनना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह बैंक केवल एक वित्तीय संस्था नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा रहा है। बैंक द्वारा देश की बैंकिंग प्रणाली को सुदृढ़ करने और समावेशी आर्थिक विकास को समर्थन देने में निभाई जा रही भूमिका सराहनीय है। उन्होंने बैंक के संस्थापक सर सोराबजी पोचखानावाला के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा, "एक अच्छे बैंक के लाभ केवल उसकी चार दीवारों तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे व्यापार, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों की हर शाखा तक विस्तारित होते हैं।" नागराजू ने कहा कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया इस सोच को आज भी पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

सोलर पावर की राजधानी बना गुजरात

अहमदाबाद। देश में गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य में 5 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं, जिससे कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 1,879 मेगावाट तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत हासिल की गई यह उपलब्धि रूफटॉप सोलर के मामले में गुजरात की अग्रणी भूमिका को दर्शाती है।

सेंगर को जमानत मिलने पर राहुल ने विरोध जताया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा दिल्ली हाईकोर्ट से निलंबित किए जाने का बुधवार को विरोध किया। कहा कि सेंगर को जमानत मिलना निराशाजनक और शर्मनाक है। राहुल ने दावा किया कि हम सिर्फ एक मृत अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ एक मृत समाज भी बनते जा रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने क्रिसमस की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोगों से ईसा मसीह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने और दया, प्रेम व आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने वाला समाज बनाने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, क्रिसमस खुशी और उल्लास का पर्व है, जो प्रेम और करुणा का संदेश देता है। यह मानवता के कल्याण के लिए प्रभु यीशु मसीह द्वारा किए गए बलिदान की याद दिलाता है।

सुशासन सप्ताह में 17 लाख जनशिकायतों का निपटारा : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को बताया कि सुशासन सप्ताह के दौरान देशभर में 17 लाख से अधिक जनशिकायतों का निपटारा किया गया है। कार्मिक मंत्रालय ने कहा, हर साल 19 से 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाता है, ताकि प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई जा सके। इस साल यह सप्ताह सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जिला एवं तहसील स्तर तक आयोजित किया गया। मंत्रालय के अनुसार, इस एक सप्ताह के कार्यक्रम में 1.5 करोड़ से अधिक सेवा संबंधी आवेदनों का निपटारा किया गया है।

गृह लक्ष्मी योजना में 5000 करोड़ के गबन का आरोप

भाजपा ने राज्यभर में किया आंदोलन

एजेंसी । बंगलूरू

कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना की राशि को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने फरवरी-मार्च की रकम नहीं मिलने पर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इतना ही नहीं उन्होंने राज्य की सिद्धारमैया सरकार को चेतावनी देते हुए एलान किया है कि फरवरी और मार्च महीने की गृह लक्ष्मी योजना की राशि न मिलने को लेकर भाजपा राज्यभर में विरोध प्रदर्शन करेगी। साथ ही हेट स्पीच और हेट क्राइम बिल को अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताते हुए राज्यपाल से इसे मंजूरी न देने की अपील करने की बात कही है। बंगलूरू में पत्रकारों से बातचीत के दौरान भाजपा नेता ने कहा कि बेलगावी में हुए शीतकालीन सत्र से उत्तर कर्नाटक के लोगों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन सरकार ने वहां के लिए कोई बड़ा पैकेज घोषित नहीं किया। उल्टा, फंड में कटौती कर दी गई। बता दें कि गृह लक्ष्मी योजना राज्य सरकार की पांच गारंटी योजनाओं में से एक है, जिसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिला मुखिया को 2,000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं।

विरोध जारी रखेगी भाजपा- अशोक

इस दौरान अशोक ने यह भी कहा कि भाजपा तब तक विरोध जारी रखेगी, जब तक लाभार्थियों को पैसा नहीं मिल जाता। उन्होंने दावा किया कि 8-10 जिलों की जानकारी पार्टी को मिली है, लेकिन जब अन्य जिलों से जानकारी मांगी गई तो मंत्रियों ने अधिकारियों को विवरण न देने की धमकी दी।

गृह लक्ष्मी योजना की राशि पर सवाल

इस दौरान अशोक ने आरोप लगाया कि फरवरी और मार्च महीने की करीब 5,000 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों को नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस बात को छिपाया। वित्त विभाग ने इसे दबा दिया। सवाल यह है कि क्या पिछले वित्त वर्ष में सरकार के पास पैसा नहीं था और अगर नहीं था, तो सच क्यों छिपाया गया? अशोक ने कहा कि अगर सरकार के पास पैसा होता, तो वह जरूर देती। या तो सरकार लोगों को धोखा देना चाहती है या फिर उसके पास पैसा ही नहीं है। उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा ने तीन दिन तक महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के जवाब का इंतजार किया, क्योंकि 1.26 करोड़ परिवार इस राशि का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक बड़ा घोटाला है।

हेट स्पीच बिल पर जताई आपत्ति

इसके साथ ही हेट स्पीच और हेट क्राइम बिल पर बोलते हुए अशोक ने कहा कि इसे दोनों सदनों में बिना चर्चा के जल्दबाजी में पास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून लोगों की अभिव्यक्ति की आज़ादी छीन लेगा। आप कार्टून नहीं बना पाएंगे, घोटाले उजागर नहीं कर पाएंगे। अशोक ने कहा कि यह बिल जनता के हित में नहीं है और इसका मकसद विपक्ष को दबाना है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त

अवैध ओबीसी सर्टिफिकेट स्वीकार न करने का दिया निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सियासत तेज है। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को निर्देश दिया कि वे एक याचिका पर विचार करें, जिसमें राज्य के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अवैध ओबीसी सर्टिफिकेट को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार न करने की मांग की गई है और इस पर तर्कसहित आदेश जारी करें। मामले में याचिकाकर्ता अरिजीत बक्शी ने अदालत को बताया कि मई 2024 में हाईकोर्ट ने राज्य के 77 वर्गों के लोगों के ओबीसी सर्टिफिकेट को रद्द कर दिया था। उन्होंने आयोग से स्पष्ट निर्देश देने की मांग की कि एसआईआर प्रक्रिया में केवल वैध ओबीसी सर्टिफिकेट ही मान्य होंगे।

एक सप्ताह के भीतर दें तर्कसहित निर्णय

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस कृष्णा राव ने सीईओ को निर्देश दिया कि वे याचिका पर विचार करें और आदेश प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर तर्कसहित निर्णय दें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों ने पहले से सेवाओं में ओबीसी लाभ लिया है या किसी चयन प्रक्रिया में सफल हुए हैं, उनके अधिकारों पर इस आदेश का असर नहीं होगा। बता दें कि मई 2024 में हाईकोर्ट की एक डिविजन बेंच ने 2010 से कई वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को रद्द कर दिया था।

याचिकाकर्ता के वकील ने चुनाव आयोग से की अपील

इतना ही नहीं याचिकाकर्ता के वकील ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि एसआईआर के लिए केवल वैध ओबीसी सर्टिफिकेट ही स्वीकार किए जाएं और रद्द किए गए सर्टिफिकेट को दस्तावेज के रूप में स्वीकार न किया जाए। वहीं चुनाव आयोग की ओर से अधिवक्ता ने बताया कि एसआईआर की वैधता को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए फिलहाल कोई आदेश न दिया जाए। ऐसे में जस्टिस राव ने कहा कि याचिका एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती नहीं दे रही है!

केरल में एसआईआर के लिए आयोग ने नियुक्त किए ऑब्जर्वर

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने बुधवार को बताया कि वर्ष 2026 के लिए चुनावी रोल के 'विशेष गहन संशोधन' (एसआईआर) को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए राज्य के सभी 14 जिलों हेतु चार वरिष्ठ चुनावी रोल ऑब्जर्वर (ईआरओ) नियुक्त किए गए हैं। इन नियुक्तियों का उद्देश्य मतदाता सूची में शुद्धता सुनिश्चित करना और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकना है।

ईआरओ करेंगे तीन बार दौरा

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, ईआरओ संशोधन प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों के दौरान अपने-अपने जिलों का तीन बार दौरा करेंगे। बयान में कहा गया है कि पहली यात्रा नोटिस अवधि के दौरान होगी, जब चुनावी रोल पर दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। दूसरी यात्रा चुनावी पंजीकरण अधिकारियों द्वारा दावों और आपत्तियों के निपटान के दौरान होगी, जबकि तीसरी यात्रा बूथ स्तर के अधिकारियों के काम के सत्यापन, सप्लीमेंट की छपाई और चुनावी रोल के अंतिम प्रकाशन के साथ होगी।

किस जिले के लिए किसकी नियुक्ति?

उन्होंने यहां एक बयान में कहा कि वरिष्ठ नौकरशाह एम जी राजामणिक्यम, के बीजू, टिंकू बिस्वाल और के वासुकी को चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन संशोधन के लिए ईआरओ के रूप में नियुक्त किया गया है। मामले में राजामणिक्यम को कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड का काम सौंपा गया है, जबकि बीजू त्रिशूर, पलक्कड़ और मलप्पुरम के प्रभारी हैं। बिस्वाल कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम के ऑब्जर्वर होंगे और वासुकी को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पठानमथिट्टा और अलाप्पुझा का काम सौंपा गया है।

केंद्र सरकार ने दी विकास की रफ़्तार

केंद्र सरकार ने दिल्ली मेट्रो के लिए 12015 करोड़ रुपये आवंटित किए

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) की लाइफलाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो के विस्तार को लेकर केंद्र सरकार ने आज एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 'दिल्ली मेट्रो फेज-5 (A)' के विस्तार प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना के लिए 12,015 करोड़ के भारी-भरकम बजट को हरी झंडी दिखाई गई है, जो दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

देश में हाईवे के लिए 1,97,644 करोड़ रुपये को मंजूरी

इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई रफ्तार देने के मकसद से सरकार ने सड़क, रेल और पोर्ट नेटवर्क के विस्तार के लिए अपना खजाना खोला है। कैबिनेट ने सबसे बड़ा दांव हाईवे सेक्टर पर लगाया है। इसके लिए 1,97,644 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि मंजूर की गई है। इसके तहत 8 नेशनल हाई-स्पीड रोड प्रोजेक्ट्स (936 किमी) के साथ-साथ सीमावर्ती इलाकों और पूर्वोत्तर (शिलॉन्ग-सिलचर) से लेकर बिहार (पटना-आरा-सासाराम) और दक्षिण भारत तक लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को सुधारा जाएगा।

कैबिनेट ने कुल 12.35 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को दी मंजूरी

कैबिनेट ने दिल्ली मेट्रो के साथ बंगलूरू मेट्रो के दो कॉरिडोर, ठाणे रिंग मेट्रो, पुणे मेट्रो, चेन्नई मेट्रो, और लखनऊ मेट्रो से जुड़ी परियोजनाओं के लिए कुल 1,31,542 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी के लिए सरकार ने 28,602 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। पीएम आवास योजना के तहत एक करोड़ शहरी और दो करोड़ ग्रामीण घरों के लिए 5,36,137 करोड़ रुपये को कैबिनेट ने हरी झंडी दी है।

सरकार ने दी नई एयरलाइंस को मंजूरी

नई दिल्ली। इंडिगो परिचालन संकट के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र को गिनी-चुनी कंपनियों के वर्चस्व से बाहर निकालने के लिए सरकार ने बढ़ा फैसला लिया है। भारत का एविएशन बजार पिछले कुछ समय से इंडिगो और एअर इंडिया जैसी विमानन कंपनियों के वर्चस्व या 'डुओपोली' (Duopoly) में सिमट कर रह गया था। सरकार के ताजा कदम से इस हालात में बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य से नई एयरलाइनों को हरी झंडी दिखा दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अल-हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जारी किया है। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश स्थित शंख एयर भी 2026 में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी में है। इस विमानन कंपनी को पूर्व में ही एनओसी मिल चुकी है।

वर्तमान में भारतीय आसमान पर टाटा समूह की एअर इंडिया और इंडिगो का एकछत्र राज है। डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू बाजार का 90% से अधिक हिस्सा इन्हीं दो समूहों के पास है।

अब ट्रैक निगरानी करेंगे 'एआई' पहरेदार

असम में हाथियों की मौत के बाद एक्शन में रेलवे प्रशासन

नई दिल्ली। असम में राजधानी एक्सप्रेस हादसे के बाद भारतीय रेलवे अलर्ट मोड में आ गया है। ट्रैक पर बार-बार हो रही वन्यजीवों की मौतों को गंभीरता से लेते हुए रेलवे ने सुरक्षा इंतजामों को तकनीक के सहारे मजबूत करने जा रहा है। रेलवे ने तय किया है कि हाथी, शेर और बाघ जैसे बड़े जानवरों की मौजूदगी पहले ही पहचानने के लिए ट्रैक पर एआई आधारित सिस्टम लगाया जाएगा। इसका उद्देश्य समय रहते ट्रेन को रोकना और जानवरों के साथ-साथ यात्रियों की जान बचाना है। कुछ दिनों पहले असम के होजाई जिले में सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से सात हाथियों की जान चली गई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब हाथियों का एक झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेन का इंजन और पांच कोच पटरी से उतर गए। एक हाथी गंभीर रूप से घायल हुआ, जबकि बाकी की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, ट्रेन में सवार यात्रियों को कोई चोट नहीं आई, लेकिन इस घटना ने रेलवे और वन विभाग दोनों को गहरी चिंता में डाल दिया।

वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ यात्रियों की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी

इस एआई सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ट्रैक के पास हाथियों या अन्य बड़े जानवरों की गतिविधि सामने आते ही लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम को तुरंत अलर्ट भेज दिया जाता है। ट्रेन चालक को करीब आधा किलोमीटर पहले ही चेतावनी मिल जाती है, जिससे समय रहते गति कम की जा सकती है या ट्रेन रोकी जा सकती है।

AI डिस्ट्रिब्यूटेड एकॉस्टिक सिस्टम तकनीक पर काम करता है

रेलवे के अनुसार, ट्रैक पर अब एआई आधारित इंटूज़न डिटेक्शन सिस्टम लगाया जा रहा है, जो डिस्ट्रिब्यूटेड एकॉस्टिक सिस्टम तकनीक पर काम करता है। यह सिस्टम ट्रैक के आसपास होने वाली हलचल और कंपन को पकड़कर समय रहते यह संकेत देता है कि कोई बड़ा जानवर नज़दीक आ रहा है। फिलहाल यह तकनीक नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के 141 किलोमीटर लंबे हिस्से में लगाई गई है, जहां हाथियों के ट्रेन से टकराने की घटनाएं ज्यादा सामने आई हैं।

बांग्लादेशी हिंदू युवक की हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन

भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस में झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में बुधवार को उस समय हालात तनावपूर्ण हो गए, जब बांग्लादेशी हिंदू युवक की हत्या के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। जानकारी के मुताबिक, भाजपा कार्यकर्ता हावड़ा ब्रिज की ओर मार्च कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा कारणों से जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर धरने पर बैठ गए और बैरिकेड हटाने की कोशिश करने लगे।

बांग्लादेश में युवक की हत्या से फैला आक्रोश

गौरतलब है कि 18 दिसंबर को बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले के बालुका इलाके में 25 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की कथित तौर पर भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और बाद में उसके शव को जला दिया गया। आरोप है कि यह घटना कथित ईशनिंदा के बाद हुई।

स्पोर्ट्स

करण क्रिकेट अकादमी चैंपियन

मुंबई। आरव सिंह द्वारा बनाए नाबाद शतक (107 रन) की बदौलत करण क्रिकेट अकादमी ने फाइनल में अचिवर्स क्रिकेट अकादमी को 136 रनों के भारी अंतर से पराजित करके दिलीप वेंगसरकर फाउंडेशन द्वारा आयोजित बॉयज अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा कर लिया। मेहुल, चेंबूर के मैदान पर खेले गए मुकाबले में करण क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवरों में आठ विकट गवांकर 197 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसमें आरव सिंह के 107 रनों के अलावा श्लोक कावड़े ने 21 रनों का योगदान दिया। इतने बड़े स्कोर का पीछा करने उतरी अचिवर्स क्रिकेट अकादमी की टीम पूरी तरह लड़खड़ा गई और मात्र 21.5 ओवर में 61 रनों के स्कोर सिमट गई। करण क्रिकेट अकादमी की ओर से पियुष दांडेकर ने दो, स्पर्श सांगरे ने तीन और राजवीर पाटिल ने तीन विकेट झटके। विजयी टीम को दिलीप वेंगसरकर द्वारा ट्रॉफी प्रदान की गई।

आज से राज्य स्तरीय खो-खो चैंपियनशिप

मुंबई। महाराष्ट्र खो खो एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त लड़के और लड़कियों के अंडर-14 वर्ग की 39वीं राज्य स्तरीय खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। चैंपियनशिप को दादर स्थित श्री समर्थ व्यायाम मंदिर और वडाला के भारतीय क्रीड़ा मंदिर के मैदान पर आयोजन होना है। चैंपियनशिप में पूरे महाराष्ट्र से कुल 24 टीमें हिस्सा लेने वाली हैं। चैंपियनशिप का उद्घाटन वडाला समारोह के क्रीड़ा मंदिर के मैदान पर रखा गया है।

कामयाबी

80km तक के टारगेट को तबाह कर सकता है, एकसाथ 10+ हमले रोकने में सक्षम

आकाश नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल डिफेंस सिस्टम का सफल टेस्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय सेना ने मंगलवार को आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम के एडवांस्ड वर्जन आकाश नेक्स्ट जेनरेशन (आकाश-NG) का ओडिशा के चांदीपुर इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में सफल ट्रायल किया। इसे देश की स्वदेशी एयर डिफेंस ताकत को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। DRDO के मुताबिक, ट्रायल के दौरान आकाश-NG ने अलग-अलग दूरी और ऊंचाई पर मौजूद हवाई लक्ष्यों को सटीक तरीके से नष्ट किया। इसमें सीमा के पास कम ऊंचाई पर उड़ने वाले और लंबी दूरी पर ज्यादा ऊंचाई वाले लक्ष्य भी शामिल थे। यह मिसाइल डिफेंस सिस्टम फाइटर जेट, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और UAV को 80 किमी दूर तक और आकाश में 20 किमी ऊंचाई तक निशाना बना सकता है। इसके पास एक साथ कई हमले यानी 10 टारगेट को तबाह करने की क्षमता है।

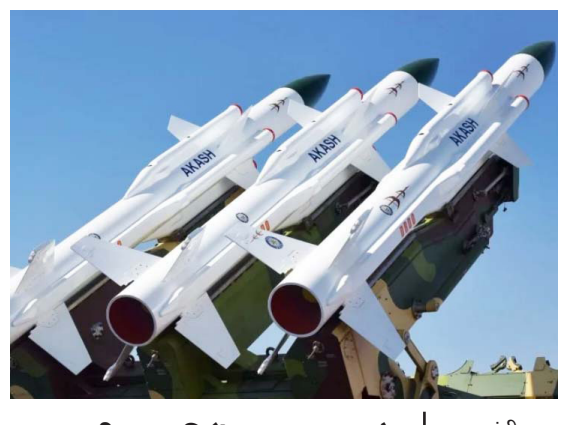

IAF की एयर डिफेंस क्षमताए और मजबूत होंगी: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आकाश-NG के यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स के सफल समापन पर बधाई दी। उन्होंने कहा- यह एडवांस मिसाइल सिस्टम IAF की एयर डिफेंस क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

क्यों खास है आकाश-एनजी?

अधिकारियों के मुताबिक, आकाश-NG मिसाइल सिस्टम एक आधुनिक और ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम है। इसे DRDO ने विकसित किया है और इसका निर्माण भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) ने किया है। यह सिस्टम एकसाथ कई हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है। इसे भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना में शामिल करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके शामिल होने से देश की हवाई सुरक्षा और मजबूत होगी और भारत की स्वदेशी एयर डिफेंस क्षमता को बड़ी मजबूती मिलेगी।

जुलाई में Akash Prime की सफल टेस्टिंग की थी

16 जुलाई को इंडियन आर्मी ने लद्दाख (हाई एल्टीट्यूड पर) में आकाश मिसाइल सिस्टम के अपग्रेड वर्जन Akash Prime की सफल टेस्टिंग की थी। आकाश प्राइम एयर डिफेंस सिस्टम ने जमीन से हवा में हाई स्पीड दो टारगेट को हिट किया है। यह टेस्टिंग इसलिए खास है क्योंकि यह एयर डिफेंस सिस्टम हाई एल्टीट्यूड (15,000 हजार फीट) पर टारगेट हिट कर सकता है। इस हथियार प्रणाली को 15 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर ऑपरेट करने के लिए बनाया गया है। इस सिस्टम में इंडिजिनियस डेवलप रेडियो फ्रीक्वेंसी सहित कई नई चीजें अपडेट हुई हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई
गुरुवार, 25 दिसंबर 2025

कोने-कोने से...

किन्नर अखाड़ा ने फूंका बिगुल

धुले। अंतरराष्ट्रीय किन्नर अखाड़ा की उपाध्यक्ष और महामंडलेश्वर पार्वती परशुराम जोगी उर्फ रवि मामा ने धुलिया मनपा चुनाव लड़ने की घोषणा करते हुए राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। उन्होंने आज शहर के प्रभाग क्रमांक 16 से गाजे-बाजे के साथ अपने चुनावी अभियान का आधिकारिक शुभारंभ किया। पार्वती जोगी ने स्पष्ट किया है कि भले ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से उम्मीदवारी मांगी है, लेकिन पार्टी टिकट दे या न दे, वे चुनाव जरूर लड़ेंगी। प्रभाग क्रमांक 16 से पार्वती जोगी को टिकट देने की उनके समर्थकों में भारी मांग है। हालांकि, भाजपा की ओर से अभी तक कोई ठोस आश्वासन न मिलने के कारण इच्छुक उम्मीदवारों में बेचैनी बढ़ रही है। इसी पृष्ठभूमि में, पार्वती जोगी ने 'बगावत का झंडा' बुलंद करते हुए मोहाडी उपनगर में छत्रपती शिवाजी महाराज की प्रतिमा को अभिवादन कर प्रचार का नारियल फोड़ा। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में किन्नर समुदाय के सदस्य और समर्थक मौजूद रहे। ढोल-ताशों और पार्वती जोगी आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं के नारों के साथ निकाली गई रैली ने पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर खींचा।

शिंदे गुट की नेता समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शिवसेना यूबीटी में शामिल

नासिक। आगामी महानगरपालिका चुनावों के मद्देनजर नासिक में राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं। विहितगांव क्षेत्र के वार्ड नंबर 22 से शिंदे गुट की नेता वैशाली दानी और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता संजीवनी हांडोरे ने अपने समर्थकों के साथ शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी का दामन थाम लिया है। शालिमार स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित इस प्रवेश समारोह के दौरान दोनों महिला नेताओं ने भारी शक्ति प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के उपनेता दत्ता गायकवाड ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "शिवसेना की उंगली पकड़कर राज्य में अपनी जड़ें जमाने वाली भाजपा ने अब 'फोड़ा-फोड़ी' (दलबदल) की राजनीति शुरू कर दी है। इसी आधार पर उन्होंने पिछले चुनावों में सीटें जीतीं, लेकिन इस बार नासिक सहित राज्य की सभी महानगरपालिकाओं पर शिवसेना (UBT) का भगवा लहराकर रहेगा।"

पुणे मनपा चुनावः सुप्रिया सुले ने गठबंधन पर ब्रेक लगाया

पुणे। राकांपा (शरद गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने बुधवार को कहा कि जब तक पार्टी कार्यकर्ताओं की सभी शंकाएं और आशंकाएं दूर नहीं हो जातीं तब तक उनकी पार्टी अजित पवार नीत राकांपा के साथ पुणे महानगर पालिका चुनाव में गठबंधन नहीं करेगी। पुणे में पत्रकारों से बातचीत में सुले ने कहा कि वे राकांपा के संपर्क में हैं और अगर दोनों समूह हाथ मिलाने का फैसला करते हैं तो संभावित परिणामों पर भी विचार किया जाएगा। पुणे में 15 जनवरी को महानगर पालिका चुनाव आयोजित होने वाले है। इस चुनाव में अजित पवार की राकांपा के साथ संभावित गठबंधन को लेकर उनसे सवाल पूछा गया। गठबंधन को लेकर पार्टी के नगर इकाई अध्यक्ष प्रशांत जगताप के असंतोष के बारे में पूछे जाने पर सुले ने कहा कि उन्होंने (सुले) जगताप से विस्तार से बात की और उनकी आशंकाओं को समझा है। उन्होंने जगताप को आश्वासन दिया कि राकांपा के साथ गठबंधन होने पर किसी भी विचारधारा या पार्टी नीति से समझौता नहीं किया जाएगा। सुले ने कहा कि जगताप की चिंताएं जायज थीं। उनके सवाल बिल्कुल जायज हैं।

जेन जी

आज का युवा भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी प्रशासन चाहता है, जहाँ टैक्स का पैसा सही कामों में लगे और उसका हिसाब जनता को मिले।

– विकास गुप्ता, डोंबिवली

आज का युवा भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी प्रशासन चाहता है, जहाँ टैक्स का पैसा सही कामों में लगे और उसका हिसाब जनता को मिले।

– विशाल पांडेय, मुंबई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण

ठाणे महानगरपालिका

शिंदे का बजेगा डंका या डूबेगी लुटिया

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई महानगरपालिका के साथ होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ठाणे की राजनीति सबसे ज्यादा गर्म नजर आ रही है। यहां महायुति के दो प्रमुख घटक—भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना—आमने-सामने दिखाई दे रहे हैं। ठाणे शहर में शिंदे गुट की शिवसेना की पारंपरिक मजबूती है, जबकि ठाणे ग्रामीण और तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में भाजपा ने बीते एक दशक में अपनी पकड़ मजबूत की है। इसी आत्मविश्वास के चलते भाजपा के भीतर "अब की बार 70 पार" जैसे नारे गूंज रहे हैं, हालांकि ठाकरे बंधुओं की संभावित एकजुटता को देखते हुए पार्टी सतर्क भी है।

शिंदे के गढ़ में भाजपा की बढ़ती पैठ

2014 से ठाणे में राजनीतिक संतुलन धीरे-धीरे बदलता दिख रहा है। 2014 में अलग-अलग चुनाव लड़ते हुए भाजपा ने ठाणे शहर में नौ सीटें जीतकर शिवसेना को बड़ा झटका दिया था। 2019 और 2024 में भी भाजपा जिले में नंबर एक पार्टी बनी रही। संरक्षक मंत्री पद, गणेश नाइक का जनता दरबार और संगठन विस्तार ने भाजपा को जमीनी मजबूती दी। यही वजह है कि शिंदे के गृह जिले में भी भाजपा को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वार्ड-वाइज नतीजों से उभरी सियासी तस्वीर

ठाणे महानगरपालिका के 33 वार्डों के परिणाम बताते हैं कि शहर की राजनीति स्पष्ट रूप से त्रिध्रुवीय होती जा रही है। शिवसेना, भाजपा और एनसीपी—तीनों दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कुछ वार्डों में एकतरफा जनादेश मिला, तो कई जगह मुकाबला बेहद संतुलित और प्रतिस्पर्धी रहा।

शिवसेना का गढ़ और संगठनात्मक मजबूती

वार्ड 1, 3, 5, 8, 9, 13, 14, 16, 17, 18, 19, 27 और 28 जैसे कई वार्डों में शिवसेना ने चारों सीटें जीतकर पूर्ण वर्चस्व कायम रखा। यह दर्शाता है कि पार्टी का सांगठनिक ढांचा, स्थानीय नेतृत्व और पारंपरिक मतदाता आधार अब भी मजबूत है। इन इलाकों में शिवसेना के लिए चुनाव अपेक्षाकृत सहज रहे।

भाजपा की शहरी इलाकों में पकड़

वार्ड 2 और 11 में भाजपा की क्लीन स्वीप, साथ ही वार्ड 4, 12, 15, 20, 21 और 22 में अच्छी मौजूदगी यह संकेत देती है कि शहरी और मध्यम वर्गीय मतदाता भाजपा के साथ खड़े हैं। खासकर वार्ड 2 और 11 भाजपा के भरोसेमंद गढ़ के रूप में उभरे हैं, जहां विपक्ष को कोई खास मौका नहीं मिला।

एनसीपी का उभार और विविध वार्डों में प्रभाव

वार्ड 6, 10, 23, 30, 31 और 32 में एनसीपी ने एकतरफा जीत दर्ज कर अपनी मजबूत पकड़ साबित की। वहीं वार्ड 24, 25, 26 और 29 जैसे वार्डों में एनसीपी की मौजूदगी अन्य दलों और अपक्षों के साथ मिलकर एक बहुकोणीय राजनीतिक तस्वीर पेश करती है। वार्ड 33 में एनसीपी के साथ एमआईएम की मौजूदगी भी महत्वपूर्ण संकेत मानी जा रही है।

मिश्रित जनादेश और भविष्य की रणनीति

कई वार्डों—जैसे 7, 12, 20, 22, 24 और 26—में मिश्रित जनादेश सामने आया, जहां किसी एक पार्टी का पूर्ण दबदबा नहीं रहा। यह दर्शाता है कि आगामी महानगरपालिका चुनाव में गठबंधन, सीट बंटवारा और स्थानीय समीकरण निर्णायक भूमिका निभाएंगे। कुल मिलाकर, ठाणे में मुकाबला आसान नहीं है और हर दल को रणनीतिक सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा।

विकास बनाम नेतृत्व का द्वंद्व

अंबरनाथ और बदलापुर जैसे क्षेत्रों में हालिया नगर निगम चुनावों ने शिंदे गुट के लिए चेतावनी के संकेत दिए हैं। अंबरनाथ में विकास कार्यों के बावजूद उम्मीदवार चयन को लेकर असंतोष सामने आया, जिसका लाभ भाजपा ने "भयमुक्त अंबरनाथ" जैसे नारों से उठाया। बदलापुर में भी भाजपा विधायक किसान कथोरे की सक्रियता ने शिंदे समर्थित नेतृत्व को पीछे धकेल दिया। यह स्पष्ट करता है कि अब केवल विकास परियोजनाएं नहीं, बल्कि स्थानीय नेतृत्व और विश्वसनीयता भी निर्णायक हो रही है।

बदलता मतदाता और गठबंधन की मजबूरी

ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और नवी मुंबई में तेजी से बढ़ता अमराठी और बहुभाषी मतदाता वर्ग शिवसेना की पारंपरिक भावनात्मक राजनीति से अलग सोच रखता है। प्रदूषण, ट्रैफिक, बुनियादी सुविधाएं और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दे इन मतदाताओं के लिए अहम हैं। यही कारण है कि शिंदे गुट भाजपा से सीधी टक्कर लेने के बजाय गठबंधन को प्राथमिकता देता नजर आ रहा है।

16 लाख मतदाता

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनावों के लिए कुल 33 वार्ड हैं और 2011 की जनगणना के अनुसार आबादी 18,41,488 है। सबसे ज़्यादा आबादी वाला वार्ड वार्ड नंबर 25 है जिसकी आबादी 62,697 है और सबसे कम आबादी वाला वार्ड वार्ड नंबर 29 है जिसकी आबादी 38,172 है। वोटरों की कुल संख्या 16,49,867 है, जिसमें पुरुष वोटरों की संख्या 8,63,878, महिला वोटरों की संख्या 7,85,830 और अन्य वोटरों की संख्या 159 है।

2013 मतदान केंद्रों पर 12650 अधिकारी व कर्मचारी तैनात

ठाणे नगर निगम की 9 वार्ड कमेटियों के लिए 11 चुनाव निर्णय अधिकारी, सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी 1, 2, 3 नियुक्त किए गए हैं। 33 वार्डों में कुल 2013 पोलिंग स्टेशन हैं और हर पोलिंग स्टेशन पर एक पोलिंग स्टेशन अध्यक्ष, पोलिंग अधिकारी 1, 2, 3 और एक कांस्टेबल नियुक्त किए जा रहे हैं और 20 प्रतिशत आरक्षण के साथ कुल 12,650 अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आदेश जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। ठाणे नगर निगम ने आम चुनाव के काम के सिलसिले में 120 वाहन दिए हैं। जो सीसीटीवी और वेबकास्टिंग की सुविधा, बिजली का सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (7500 BU + CU), इंटरनेट और कंप्यूटर सिस्टम की उपलब्धता, चाय और खाने का इंतज़ाम, वोटिंग जागरूकता और प्रचार का इंतज़ाम, बैलेट पेपर और स्टेशनरी प्रिंटिंग के लिए ज़रूरी स्टाफ दिया गया है। टीएमसी चुनाव में हर वार्ड कमेटी ऑफिस में कुल 9 ऐसी खिड़कियां खोली गई हैं और ठाणे नगर निगम हेडक्वार्टर में सिविक अमेनिटीज़ सेंटर में 1 ऐसी खिड़की खोली गई है। इस वन विंडो स्कीम से उम्मीदवार/पॉलिटिकल पार्टियां मीटिंग/कैंपेन की परमिशन, मीटिंग करने की परमिशन, लाउडस्पीकर की परमिशन, रैली, बोर्ड और बैनर की परमिशन, पार्टी ऑफिस खोलने की परमिशन, बकाया न होने का सर्टिफिकेट, टॉयलेट इस्तेमाल करने का सर्टिफिकेट, कॉन्ट्रैक्टर न होने का सर्टिफिकेट, वोटर लिस्ट का अर्क, वगैरह, सर्टिफिकेट/सर्टिफिकेट और दूसरे परमिट, मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट के समय फायर डिपार्टमेंट, लोकल पुलिस स्टेशन और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट जैसे सभी डिपार्टमेंट से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट ले सकेंगी।

एनसीपी का असंतोष और त्रिकोणीय संभावनाएं

महायुति के भीतर तीसरे घटक अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का असंतोष भी उभरकर सामने आया है। सीट बंटवारे की बातचीत से बाहर रखे जाने के आरोपों के बाद एनसीपी ने ठाणे में अकेले चुनाव लड़ने का विकल्प खुला रखने की बात कही है। यदि यह असंतोष बढ़ता है, तो ठाणे की सियासत महायुति बनाम महाविकास आघाड़ी से आगे बढ़कर त्रिकोणीय मुकाबले में बदल सकती है।

दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र

मराठी और उत्तर भारतीय के हाथ सत्ता की चाबी

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई का दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र, जिसे लंबे समय तक शिवसेना (अविभाजित) का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है, इस बार बीएमसी चुनाव में नए सियासी समीकरणों की ओर बढ़ता दिख रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र के तहत कुल 7 प्रभाग आते हैं, जिनमें वर्तमान स्थिति के अनुसार 3 प्रभाग शिवसेना (शिंदे), 2 भाजपा और 2 शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के पास हैं। जमीनी स्तर पर बदलते समीकरणों ने इस क्षेत्र को हाई-वोल्टेज मुकाबले वाला बना दिया है।

सुनील प्रभु बनाम महायुति की चुनौती

शिवसेना (UBT) के विधायक सुनील प्रभु का क्षेत्र में अभी भी खासा प्रभाव माना जाता है। वे लगातार तीन बार से यहां के विधायक हैं, लेकिन 2024 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना (शिंदे) के उम्मीदवार संजय निरुपम ने उन्हें कड़ी चुनौती दी थी। प्रभु महज 6,182 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर पाए थे। इसी करीबी मुकाबले ने यह संकेत दे दिया है कि दिंडोशी का यह मजबूत किला अब अभेद्य नहीं रहा, और यही वजह है कि इस बार निकाय चुनाव में सभी दल पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में हैं।

मतदाता गणित : जातीय और सामाजिक संतुलन अहम

दिंडोशी विधानसभा में मराठी और उत्तर भारतीय मतदाता हार-जीत का बड़ा फैक्टर माने जाते हैं। दोनों समुदायों की हिस्सेदारी करीब 35-35 प्रतिशत बताई जाती है। इसके अलावा 10 से 12 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता भी निर्णायक भूमिका में हैं। गुजराती और मारवाड़ी समाज का रुझान भी कई प्रभागों में परिणाम को प्रभावित कर सकता है। कुल 2,71,066 मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में हर वर्ग का रुख चुनावी गणित को बदलने की क्षमता रखता है।

महायुति की रणनीति तय करेगी मुकाबले की दिशा

स्थानीय राजनीतिक जानकारों के अनुसार, अगर भाजपा और शिवसेना (शिंदे) मिलकर चुनाव लड़ती हैं, तो सीधा मुकाबला शिवसेना (UBT) से होगा। लेकिन यदि दोनों दल अलग-अलग मैदान में उतरते हैं, तो दिंडोशी में त्रिकोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है। यही अनिश्चितता इस विधानसभा क्षेत्र को चुनावी दृष्टि से और अधिक रोचक बना रही है।

प्रभाग 40 और 41: मुस्लिम वोट पर नजर

प्रभाग 40 और 41 को इस विधानसभा क्षेत्र के सबसे संवेदनशील प्रभाग माना जा रहा है। यहां मुस्लिम वोट निर्णायक स्थिति में है। आरक्षण में हुए बदलाव—प्रभाग 40 का ओबीसी से सामान्य और प्रभाग 41 का सामान्य से ओबीसी होना—भी चुनावी रणनीति को प्रभावित कर रहा है। फिलहाल दोनों प्रभाग शिवसेना (UBT) के पास हैं, लेकिन यदि यहां UBT का मनसे या कांग्रेस से गठबंधन होता है और सीटें सहयोगी दलों को दी जाती हैं, तो भाजपा या शिवसेना (शिंदे) के लिए अवसर बन सकता है।

जमीनी मुद्दों पर केंद्रित चुनावी चर्चा

दिंडोशी में इस बार चुनावी बहस का केंद्र स्लम डिवेलपमेंट, जाम-फ्री सड़कें, स्थानीय सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं हैं। खासकर ट्रैफिक और पुनर्विकास से जुड़े मुद्दों पर मतदाता मुखर नजर आ रहे हैं। उम्मीदवारों की स्वीकार्यता अब सिर्फ पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय कामकाज और पहुंच पर भी निर्भर करती दिख रही है।

2017 से अब तक: बदले चेहरे, बदला संतुलन

2017 के बीएमसी चुनाव में इस विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना (अविभाजित) ने 3, भाजपा ने 2, एनसीपी (अविभाजित) ने 1 प्रभाग जीता था, जबकि 1 प्रभाग निर्दलीय के खाते में गया था। बाद में दल-बदल के चलते राजनीतिक संतुलन बदल गया। मौजूदा हालात में भाजपा और शिवसेना (शिंदे) के बीच सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान जारी है और दोनों ही 4-4 प्रभागों पर दावा कर रही हैं। यही टकराव तय करेगा कि दिंडोशी में मुकाबला सीधा होगा या त्रिकोणीय—और इसी पर बीएमसी चुनाव की दिशा भी निर्भर करेगी।

आंकड़ों में इलेक्शन

आंकड़ों में ठाकरे बनाम भाजपा की लड़ाई

महाराष्ट्र में 2 दिसंबर को 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों में मतदान होना है। इसी चुनावी माहौल के बीच मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। देश की सबसे समृद्ध नगरपालिका पर नियंत्रण की यह लड़ाई राज्य की राजनीति की दिशा तय करने वाली मानी जा रही है।

मराठी वोट बैंक का गणित

बीएमसी चुनाव में इस बार निर्णायक भूमिका मराठी भाषी मतदाता निभा सकते हैं। आंकड़ों के मुताबिक मुंबई में 86 ऐसे वार्ड हैं जहां मराठी मतदाताओं का प्रभाव निर्णायक माना जाता है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की संभावित एकजुटता से इन वार्डों में भाजपा को अपने पारंपरिक और संभावित वोट खिसकने की आशंका है।

भाजपा की रणनीति : 15 दिन, 86 वार्ड

भाजपा ने चुनावी रणनीति को आंकड़ों के आधार पर तैयार किया है। पार्टी ने अगले 15 दिनों में 86 मराठी बहुल वार्डों में बूथ प्रमुखों के जरिए सीधा संवाद अभियान चलाने का लक्ष्य तय किया है। इसमें RSS और स्थानीय संगठन की भूमिका अहम होगी। पार्टी का फोकस विकास कार्यों और पूर्व बीएमसी शासन में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर रहेगा।

गठबंधन बनाम एकजुटता

भाजपा बीएमसी चुनाव में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन में उतरने की तैयारी में है। दूसरी ओर, उद्धव ठाकरे गुट और मनसे की संभावित साझेदारी सिर्फ बीएमसी तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों दल 6 प्रमुख नगर निगमों—बीएमसी, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नवी मुंबई, पुणे और नासिक—में साथ चुनाव लड़ सकते हैं।

सीट बंटवारे की असली परीक्षा

ठाकरे भाईयों की संभावित एकता के सामने सबसे बड़ी चुनौती सीट शेयरिंग है। मनसे की नजर मराठी बहुल इलाकों—दादर, माहिम, वर्ली, शिवडी, भायखला, भांडुप और जोगेश्वरी—पर है। वहीं उद्धव ठाकरे गुट ने साफ संकेत दिए हैं कि समझौता केवल उन्हीं सीटों पर होगा जहां मनसे की संगठनात्मक ताकत और जीत की संभावना ठोस है।

निष्कर्षः आंकड़े तय करेंगे दिशा

बीएमसी चुनाव में मुकाबला भावनाओं से ज्यादा वार्ड-स्तरीय गणित, मराठी वोट प्रतिशत और गठबंधन की मजबूती पर निर्भर करेगा। 86 मराठी बहुल वार्ड इस चुनाव की धुरी हैं—यहीं से तय होगा कि ठाकरे भाईयों की एकजुटता भारी पड़ेगी या भाजपा का संगठनात्मक नेटवर्क।